जीवन दर्शन

अहंकार मनुष्य का बहुत बड़ा दुश्मन है। वह सोने के हार को भी मिट्टी का बना देता है।
- महर्षि वाल्मीकि

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

शनिवार 14 फरवरी, 2026 ■ वर्ष 15 ■ अंक 4 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

www.globalherald.news

भारत ने 50 मीटर थ्री पोजीशन में किया क्लीन स्वीप, ऐश्वर्य प्रताप सिंह...

पृष्ठ 8 पर

न्यूज ब्रीफ

'हर व्यक्ति शंकराचार्य नहीं लिख सकता, सपा को पूजना है तो पूजे': मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बयान में कहा कि हर व्यक्ति शंकराचार्य नहीं हो सकता और कोई भी हर पीठ के आचार्य के रूप में जाकर वातावरण खराब नहीं कर सकता. उन्होंने कहा कि मर्यादाओं का पालन सभी को करना होगा. मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि अगर वह शंकराचार्य थे तो वाराणसी में लाठीचार्ज क्यों किया गया था और एफआईआर क्यों दर्ज हुई थी. उन्होंने कहा कि नैतिकता की बात करने वालों को पहले अपने आचरण पर ध्यान देना चाहिए. योगी ने कहा कि जहां साढ़े चार करोड़ श्रद्धालु पहुंचे हों, वहां व्यवस्था और सुरक्षा सर्वोपरि है. साथ ही उन्होंने बताया कि स्नान के बाद श्रद्धालु जिस एग्जिट गेट से बाहर निकल रहे हों, उसी मार्ग से किसी को अंदर जाने का प्रयास नहीं करना चाहिए. मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि इस तरह का कदम एक नई भगदड़ को जन्म दे सकता है श्रद्धालुओं के जीवन के साथ खिलवाड़ हो सकता है.

एअर इंडिया पर जुमार्ना...नियमों का पालन नहीं करने पर कार्रवाई

नई दिल्ली। भारत के नागरिक उड्डयन नियामक (डीजीसीए) ने एअर इंडिया पर 1.10 लाख डॉलर (करीब 1 करोड़ रुपए) का जुमार्ना लगाया है। यह कार्रवाई एक एयरबस विमान को बिना एयरवर्थनेस रिव्यू सर्टिफिकेट (विमानल उड़ाए जाने योग्य है या फिटनेस सर्टिफिकेट) के 8 बार उड़ाए जाने के कारण की गई। डीजीसीए ने एक गोपनीय आदेश में कहा है कि इस चूक से देश की दूसरी सबसे बड़ी एयरलाइन पर जनता का भरोसा और कम हुआ है। एयरवर्थनेस सर्टिफिकेट एक्सपायर था पीटीआई के अनुसार मामला 26 नवंबर 2025 का है, जब एअर इंडिया ने खुद डीजीसीए को इस चूक की जानकारी दी थी। कंपनी ने बताया था कि उनके एक एयरबस ए320 नियो विमान का एयरवर्थनेस सर्टिफिकेट एक्सपायर हो चुका था। फिर भी उसे 24 और 25 नवंबर को 8 रेवेन्यू सेक्टर्स (व्यावसायिक उड़ानों) में इस्तेमाल किया गया।

टी-20 वर्ल्डकप, श्रीलंका पहुंची भारतीय टीम

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान वर्ल्डकप मैच का मजा बारिश बिगाड़ सकती है। टी-20 वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में दोनों टीमें 15 फरवरी को कोलंबो में भिड़ने वाली हैं, लेकिन इस दिन शहर के 60% इलाकों में बारिश का अनुमान है। अगर ऐसा हुआ तो फैंस क्रिकेट की बड़ी राइवलरी को मिस कर देंगे। टीम इंडिया 13 फरवरी रात कोलंबो पहुंची। वहीं पाकिस्तान टीम अपने सभी मैच कोलंबो में ही खेल रही है। टीम ने अमेरिका और नीदरलैंड को शुरूआती मुकाबले हराए। वहीं भारत ने अमेरिका और नामीबिया को हराया। रात 10 बजे कोलंबो पहुंची टीम इंडिया टीम इंडिया शुक्रवार रात करीब 10 बजे कोलंबो पहुंची। भारत ने मुंबई में अमेरिका को पहला मैच हराया, वहीं दिल्ली में नामीबिया के खिलाफ जीत हासिल की। पाकिस्तान भी 2 मैच जीत चुका है। 15 फरवरी का मुकाबला जीतने वाली टीम पॉइंट्स टेबल में नंबर-1 पर अपनी पोजिशन को मजबूत कर लेगी।

प्रधानमंत्री कार्यालय की नई इमारत 'सेवा तीर्थ' का उद्घाटन...प्रधानमंत्री बोले-

नॉर्थ-साउथ ब्लॉक ब्रिटिश हुकूमत का प्रतीक गुलामी की मानसिकता से निकलना जरूरी

नई दिल्ली ■

प्रधानमंत्री कार्यालय का पता आज से बदल गया है। नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नए पीएम ऑफिस सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन 1 व 2 का उद्घाटन किया। पीएम ऑफिस अब तक साउथ ब्लॉक में था। पीएम मोदी ने कहा कि नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक की इमारतें ब्रिटिश शासन की हुकूमत की प्रतीक थीं। ये भवन ब्रिटेन के महाराज की सोच को गुलाम भारत की जमीन पर उतारने का माध्यम था। हमें गुलामी की इस मानसिकता से बाहर निकलना जरूरी था।

पीएम ने कहा- दिल्ली की इमारतों में ऐतिहासिक स्थलों पर गुलामी के चिन्ह भरे पड़े हैं। आजाद भारत में जो सैनिक शहीद हुए, यहां उनके लिए कोई स्मारक नहीं था। 2014 में देश ने तय किया कि गुलामी की मानसिकता और नहीं चलेगी। हमारे इन फैसलों के पीछे हमारी सेवा भावना है।

प्रधानमंत्री ने नए ऑफिस में कई फाइलों पर साइन किए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए पीएमओ कॉम्प्लेक्स सेवा तीर्थ में महिलाओं, युवाओं और कमजोर वर्गों से जुड़े अहम फैसलों की फाइलों पर साइन किए। सरकार के अनुसार, इन फैसलों का उद्देश्य इन वर्गों को सीधा लाभ पहुंचाना है। प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री राहत योजना से जुड़ी फाइलों पर भी साइन किए। इस पहल के तहत, एक्सीडेंड पीड़ितों को 1.5 लाख तक का कैशलेस ट्रीटमेंट मिलेगा, जिससे उनके इलाज में देरी न हो। साथ ही लखपति दीदी योजना का लक्ष्य दोगुना कर 3 करोड़ से छह करोड़ करने का निर्णय लिया गया। प्रधानमंत्री ने कृषि अवसंरचना कोष के आवंटन को 1 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2 लाख करोड़ रुपये करने की मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री ने 10,000 करोड़ रुपये के कोष के साथ स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 को मंजूरी दी है।

भारतीय पासपोर्ट की मजबूत रैंकिंग, 5 पायदान सुधरी

नई दिल्ली ■

भारतीय पासपोर्ट की रैंकिंग में सुधार हुआ है। लेटेस्ट हेनले पासपोर्ट इंडेक्स (फरवरी 2026) के अनुसार, अब भारत का पासपोर्ट दुनिया के सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट्स की सूची में 75वें स्थान पर पहुंच गया है। साल की शुरूआत में यह 80वें स्थान पर था, यानी हाल ही में इसमें 5 स्थानों का सुधार हुआ है। इससे पहले 2025 में यह 85वें स्थान पर था, जिससे कुल मिलाकर 10 स्थानों की छलांग लगी है।

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स दुनिया भर के लगभग 200 देशों के पासपोर्ट को रैंक करता है। यह रैंकिंग इस बात पर आधारित होती है कि उस देश के पासपोर्ट धारक कितने देशों में बिना वीजा के या वीजा ऑन अराइवल के साथ जा सकते हैं। भारतीय पासपोर्ट धारकों को अब 56 देशों में वीजा-फ्री या वीजा ऑन अराइवल की सुविधा मिलती है। यह रैंकिंग इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) के ट्रैवल आंकड़ों के आधार पर तैयार की जाती है। इस इंडेक्स में पाकिस्तानी पासपोर्ट 97वें नंबर है। उसकी पोजिशन फिलिस्तीन (91), नार्थ कोरिया (94) और सोमालिया (96) से भी नीचे हैं।

हजारीबाग में हाथियों ने 6 लोगों की ली जान

हजारीबाग ■

चुरचू थाना क्षेत्र के गोंदवार गांव में गुरुवार की रात वह मंजर देखने को मिला, जिसे ग्रामीण शायद ही कभी भूल पाएंगे। रात गहराते ही अचानक हाथियों का एक झुंड गांव में घुस आया और करीब डेढ़ घंटे तक तांडव मचाता रहा। इस हमले में दो पुरुष, दो महिलाएं और दो मासूम बच्चों समेत छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कई ग्रामीण बाल-बाल बच गए।

ग्रामीणों के अनुसार हाथियों ने गांव में प्रवेश करते ही सबसे पहले बिजली के खंभे को गिरा दिया। खंभा गिरते ही पूरे गांव की बिजली आपूर्ति ठप हो गई और चारों ओर घुप्प अंधेरा छा गया। अंधेरे और अफरातफरी के बीच लोगों को समझ ही नहीं आया कि आखिर हो क्या रहा है। इसी बीच हाथियों ने घरों की ओर रुख किया और छोटे-छोटे कच्चे मकानों की दीवारें और दरवाजे तोड़ते हुए अंदर घुसने लगे। सबसे पहले धनेश्वर राम के घर पर हमला हुआ। दीवार तोड़कर हाथी अंदर घुस आए। परिवार के लोग जान बचाने के लिए घर से बाहर भागे, लेकिन भागने के क्रम में हाथियों ने उन्हें दौड़ाकर पकड़ लिया और कुचल डाला। इसी तरह सामने स्थित सूरज भुइयां के घर में दूसरा हाथी घुस गया।

बांग्लादेश में 20 साल बाद बीएनपी की जीत, तारिक का प्रधानमंत्री बनना तय

ढाका ■

बांग्लादेश में गुरुवार को हुए आम चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने बड़ी जीत दर्ज की है। प्रथोम ओलो के मुताबिक बीएनपी+गठबंधन ने 299 सीटों में से 212 सीटें हासिल कर बहुमत के लिए जरूरी 150 के आंकड़े को पार कर लिया। अब तक 297 सीटों के नतीजे घोषित हो चुके हैं।

जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले 11 दलों के गठबंधन को अब तक 77 सीटें मिली हैं। देश में करीब 20 साल बाद बीएनपी की सरकार बनेगी। 2008 से 2024 तक वहां शेख हसीना की आवामी लीग सत्ता में थी। इस जीत के साथ बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान का प्रधानमंत्री बनना तय माना जा रहा है। तारिक ने दो सीटों से चुनाव लड़ा था और दोनों पर जीत हासिल की है। तारिक रहमान की जीत पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा, 'मेरे भाई तारिक, उनकी टीम और बाकी सभी को बधाई। बांग्लादेश में 35 साल बाद कोई पुरुष प्रधानमंत्री बनेगा। 1988 में काजी जफर अहमद प्रधानमंत्री बने थे। इसके बाद 1991 से 2024 तक देश की राजनीति में पूर्व पीएम शेख हसीना और खालिदा जिया का दबदबा रहा। ये दोनों ही प्रधानमंत्री बनती रहीं।

हिंदू-अवामी लीग के वोट बीएनपी को मिले जमात को हराया

बांग्लादेश चुनाव में कट्टरपंथी पार्टी जमात-ए-इस्लामी बुरी तरह हारी है। उसके गठबंधन को सिर्फ 70 सीटें मिलीं हैं। शेख हसीना की सरकार गिराने वाले स्टूडेंट्स की पार्टी नेशनल सिटीजन पार्टी यानी एनसीपी को भी बांग्लादेशियों ने नकार दिया।

तमिलनाडु- एक्टर विजय की रैली में समर्थक की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु के सलेम में तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) चीफ विजय की रैली में शुक्रवार को 37 साल के एक समर्थक की हीटस्ट्रोक के कारण मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि महाराष्ट्र का रहने वाला सूरज टीवीके चीफ विजय से मिलने गया था। वह रैली के दौरान सीने में दर्द की शिकायत के बाद गिर पड़ा। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में सूरज की मौत हो गई। वह कई सालों से सलेम में रह रहा था। पुलिस ने बताया कि सूरज की कुछ समय पहले एंजियोप्लास्टी हुई थी। पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है। इस घटना पर विपक्षी पार्टी अन्नद्रमुक ने तंज कसा।

निमार्णाधीन लिंटर गिरा, बच्ची की मौत, 13 घायल

फिरोजाबाद। गृह स्वामी अशोक यादव के बेटे शीलेंद्र ने मलबे से निकलने के बाद आपबीती सुनाई। उन्होंने कहा, मैं टीनशेड में पड़ी चारपाई पर लेटा था। अचानक जोर की आवाज हुई और पूरा लिंटर भरभराकर गिर गया। मैं मलबे के नीचे दब गया और आंखों के सामने अंधेरा छा गया। मुझे लगा कि मैं अब नहीं बचूंगा। यूपी के फिरोजाबाद स्थित थाना उत्तर के दौलतपुर गांव में एक निमार्णाधीन मकान में दूसरी मंजिल पर डाला जा रहा लिंटर भरभराकर गिर गया। मलबे में दबने से 4 साल की बच्ची सृष्टि की मौके पर मौत हो गई। श्रमिकों सहित 13 घायल है। इनमें तीन राजमिस्त्री, पांच लिंटर श्रमिक और गृह स्वामी के परिवार के पांच लोग शामिल हैं।

लोकसभा में 'हरदीप पुरी इस्तीफा दो' के नारे लगे, संसद की कार्यवाही 9 मार्च तक स्थगित

नई दिल्ली ■

बजट सत्र के 13वें दिन लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही पूरे दिन नहीं चल पाईं। लोकसभा की कार्यवाही करीब 10 मिनट ही चल पाई। वहीं, राज्यसभा की कार्यवाही दो घंटे तक चल पाई। अब दोनों सदनों की कार्यवाही 9 मार्च से शुरू होगी। शुक्रवार को सुबह 11 बजे सदन शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने 'हरदीप पुरी इस्तीफा दो' के नारे लगाने शुरू कर दिए। इसके 5 मिनट बाद ही सदन स्थगित कर दी गई।

12 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। इस बार हंगामे के बीच एजुकेशन और कानून मंत्रालय से जुड़े कुछ बिल पेश किए। इसके बाद चेयर पर मौजूद संध्या राय ने लोकसभा 9 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी। संसद का बजट सत्र दो चरण में हो रहा है। पहला- 28 जनवरी से 13 फरवरी तक है।

दूसरा चरण 23 दिन के ब्रेक के बाद 9 मार्च से शुरू होगा, जो 2 अप्रैल तक चलेगा। इधर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शुक्रवार को राहुल गांधी पर आरोप लगाए कि वे सत्ता पाने के लिए देश के बंटवारे की प्लानिंग कर रहे थे। **दुबे ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा-** सोरोस, फोर्ड फाउंडेशन और टुकड़े-टुकड़े गैंग के सरगना राहुल गांधी जी के खिलाफ मेरे आरोप ये हैं, जिनके लिए मैंने लोकसभा स्पीकर से बहस करने की इजाजत मांगी है। क्या लोकसभा में विपक्ष के नेता सत्ता पाने के लिए भारत के बंटवारे की प्लानिंग कर रहे हैं? इससे पहले निशिकांत ने राहुल गांधी के खिलाफ लोकसभा में सब्सटेंसिव मोशन पेश किया है। राहुल पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया है। दुबे ने राहुल की संसद सदस्यता खत्म करने और चुनाव लड़ने पर लाइफटाइम बैन लगाने की मांग की है।

अलंकार अग्निहोत्री ने किया पार्टी बनाने का एलान

वृंदावन ■

अलंकार अग्निहोत्री ने कहा कि सरकार श्रीबांकेबिहारी मंदिर कॉरिडोर के जरिए प्राचीन संस्कृति को नष्ट करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि अभी तक उच्च वर्ग एवं सनातनियों की बात सुनने वाला कोई नहीं है। हमारे वर्ग के पास कोई विकल्प नहीं है। उसे हम विकल्प देंगे।

यूजीसी के नए बिल के विरोध में बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट पद से इस्तीफा देने के बाद वृंदावन आए अलंकार अग्निहोत्री ने राजनीतिक पार्टी बनाने का एलान किया है। उन्होंने कहा कि सनातनी संस्कृति के नाम से वह पार्टी बनाएंगे और उच्च वर्ग एवं सनानियों की बात रखने उन्हें राजनीति में विकल्प देने के लिए पार्टी बनाने के साथ ही चुनाव भी लड़ेंगे। अगर किसी दल से गठबंधन करना पड़ा तो वह भी करेंगे। यह बात उन्होंने गोधूलि पुरम में स्थित श्रीहरिदास धाम में आयोजित यूजीसी एवं एससी एसटी के विरोध में आयोजित बैठक से पहले पत्रकार वार्ता के दौरान कही। उन्होंने बताया कि श्रीबांकेबिहारी महाराज के दर्शन करने के दौरान पार्टी बनाने का विचार आया। उन्हीं की पावन धरा से पार्टी बनाने का वह एलान करते हैं। उन्होंने कहा कि धर्म स्थलों एवं मंदिरों का संरक्षण का कार्य सरकार का नहीं हमारा कर्तव्य है। वह अयोध्या हारे अब काशी और मथुरा में भी हारेंगे।

व्यंग्य : बांग्लादेश में बीजेपी, कमल, पंजा, हाथी सभी थे मैदान में..!

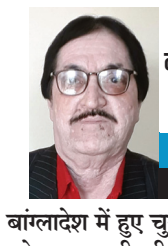

ग्लोबल हेराल्ड
न्यूज एनालिसिस
GHNA
दिलीप शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

बांग्लादेश में हुए चुनाव में 12 फरवरी को हुए 47 फीसदी मतदान के बाद 13 फरवरी को परिणाम आ गए, लेकिन इस चुनाव में सबसे आश्चर्यजनक स्थिति यह रही कि चुनावी जंग में बीजेपी, एनसीपी तो पार्टी रूप में रहीं और चुनाव चिन्ह कमल व भारत में कांग्रेस के चिन्ह समान हाथ का पंजा, लालू यादव की लालटेन व मायावती का हाथी और अखिलेश यादव की साईकिल भी रही है. पार्टियों के नाम अलग पर चुनाव चिन्ह अधिकांश भारतीय रहे हैं..!

भारतीय चुनाव चिन्ह से प्यार और हिंदुओं पर अत्याचार : क्या रोकेंगे पीएम रहमान..?

शीर्षक में सवाल इसलिए है, क्योंकि बांग्लादेश में बीएनपी पार्टी का चुनाव चिन्ह' धान की बालियां ' रहा है और यही चिन्ह भारत में जनता दल सेक्युलर का भी रहा. इसके अलावा भारत के अधिकांश चुनाव चिन्ह बांग्लादेश में रहे हैं तो ऐसे में 209 सीट जीतकर नए प्रधानमंत्री बनने जा रहे तारिक रहमान क्या भारत के प्रति भी प्यार दिखाएंगे और हिंदुओं पर अत्याचार रोकेंगे.. वैसे उन्होंने पहले ही कह दिया था ' ना दिल्ली, ना पिंडी, बांग्लादेश फर्स्ट '.. खैर अब देखना है कि उनका क्या रुख होगा..? इस चुनाव का सबसे रोचक पहलू यह रहा है कि यहां बीजेपी यानी ' बांग्लादेश जातीय पार्टी मैदान में रही तो पूर्व पीएम शेख हसीना को विद्रोह के जरिये देश छोड़ने पर बेबस करने वाले छात्रों के गुट ने ' नेशनल सिटीजन पार्टी ' यानी एनसीपी बनाई जिसका चुनाव चिन्ह' कमल का फूल ' है अब कांग्रेस नाम से तो नहीं, लेकिन उसका चुनाव चिन्ह हाथ का पंजा का उपयोग ' बांग्लादेश मुस्लिम लीग ' ने किया है तो एक और ' बांग्लादेश मुस्लिम लीग ' पार्टी का चिन्ह लालटेन जो भारत में लालू यादव की पार्टी राजद का है. इसी तरह ' बांग्लादेश रिपब्लिकन पार्टी का भारत की बसपा

के चिन्ह अनुरूप हाथी है तो बांग्लादेश जातीय पार्टी का सपा समान साईकिल है.उल्लेखनीय है कि अधिकांश भारतीय चुनाव चिन्ह बांग्लादेश में छाए रहे, लेकिन बड़ी जीत बांग्लादेश नेशनल पार्टी यानी बीएनपी को मिली.तारिक रहमान की जीत पर प्रधानमंत्री मोदी ने बधाई दी और कहा कि भारत हमेशा बांग्लादेश का साथ देगा. ऐसे में मोदी ने बेहतर शुरूआत की है और अब तारिक रहमान को सोचना है कि भारत के साथ कारोबार समझौते में ही फायदा है और ऐसे सम्बन्ध से ही वे बांग्लादेश के हितों की भी रक्षा कर सकेंगे..!

कंगना रनौत ने पहनी 'हिमाचली कोट' दो महिलाओं ने 60 दिनों में किया तैयार

पतलीकूहल ■

हस्तकला के लिए वीरवार को ऐतिहासिक क्षण आया जब मंडी की सांसद कंगना रनौत हस्तनिर्मित शुद्ध ऊनी हिमाचली कोट पहनकर संसद में पहुंची। देसी ऊन से तैयार कोट कुल्लू की महिला कारीगरों ने पारंपरिक विधि (हथकरघा) से काता और बुना है, जो हिमाचल की समृद्ध वस्त्र परंपरा को आधुनिक शैली में दर्शाता है।

पूरी तरह प्राकृतिक रंगों और हस्त प्रक्रियाओं से निर्मित यह वस्त्र हिमालय की गर्माहट, उल्लास और परतदार रंगों को समेटे हुए है। कोट हिमाचल की संस्कृति, भूगोल और लोगों की आत्मा को दशार्ता है जहां परंपरा और स्थान एक-दूसरे में बुने हुए हैं। कुल्लवी व्हिम्स संस्था की दो महिला कारीगरों ने यह कोट बनाया था। संस्था के संस्थापक भृगु राज आचार्य और निशा सुब्रमण्यम ने बताया कि इस कोट को बनाने में लगभग दो माह लगे हैं। यह परिधान संसद जैसे राष्ट्रीय मंच पर पहना जाना महिला कारीगरों के लिए विशेष सम्मान है। सासंद कंगना रनौत ने 2025 में कुल्लवी व्हिम्स संस्था के स्टूडियो में आकर चार कोट और एक पटंचू खरीदा था। एक कोट की कीमत 16 हजार से शुरू होकर 45 हजार रुपये तक है। कंगना के कोट को दो महिला कारीगरों ने तैयार किया है। इस परिधान में शुद्ध उन का इस्तेमाल व वेजिटेबल कलर का उपयोग किया गया है।

24 साल बाद खुलेगा अटल खेल संकुल का स्विमिंग पूल, मई तक मिलेगी सौगात

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

करीब ढाई दशक से बंद पड़े अटल खेल संकुल के स्विमिंग पूल में एक बार फिर गतिविधियां शुरू होने जा रही हैं। लगभग 24 वर्ष पहले ड्रेनेज लाइन का पानी पूल में आने लगा था, जिसके चलते इसे बंद करना पड़ा था। करीब एक साल पहले पूल के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू किया गया, जिसे अब मई महीने तक पूरा करने का दावा किया जा रहा है।

मई तक शुरू होने की तैयारी

अधिकारियों के अनुसार, अटल खेल संकुल का स्विमिंग पूल मई माह तक फिर से शुरू कर दिया जाएगा। इसके शुरू होने से शहर के खिलाड़ियों और युवाओं को अभ्यास के लिए एक बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। पिछले 24 वर्षों में अटल खेल संकुल के आसपास का इलाका पूरी तरह बदल चुका है। पहले जहां खुला वातावरण था, वहां अब बहुमंजिला इमारतें खड़ी हैं। इसी को देखते हुए स्विमिंग पूल को ऊपर से ढंकने का निर्णय लिया गया है। पूल को करीब 22 फीट ऊंचाई पर सफेद टेंसाइल मटेरियल से कवर किया जाएगा, जो कपड़े जैसा दिखेगा लेकिन मजबूत होगा और धूप, धूल व धुएं से बचाव करेगा।

नेहरू पार्क का स्विमिंग पूल भी होगा शुरू

नेहरू पार्क स्थित स्विमिंग पूल में भी निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। वहां पुरानी टाइल्स हटाकर नए सिरे से काम कराया जा रहा है। एक महीने में निर्माण कार्य पूरा होने के बाद सवा महीने के भीतर यह पूल भी शुरू करने की तैयारी है। पहले इसे जनवरी में शुरू करने की योजना थी, लेकिन पार्क में जमा कबाड़ हटाने के कारण काम में देरी हुई और अब इसे मार्च तक शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

एक करोड़ रुपए की लागत से हो रहा काम

स्विमिंग पूल के इस प्रोजेक्ट पर नगर निगम द्वारा लगभग एक करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। मंगलवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने क्षेत्र क्रमांक-2 स्थित अटल खेल संकुल पहुंचकर चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर ने बताया कि यह स्विमिंग पूल किसी राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए नहीं बनाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य शहर के युवाओं और खिलाड़ियों को तैराकी सीखने और नियमित अभ्यास की सुविधा देना है।

इंदौर में दो साल से पत्नी अलग रह रही थी, पति ने कर ली आत्महत्या

इंदौर। पारिवारिक तनाव के कारण पत्नी दो साल से अलग रह रही थी। इस तनाव के चलते पति ने फांसी लगाकर जान दे दी। दोनो के दो बच्चे भी है। जान देने से पहले युवक ने पत्नी से बात भी की थी। घटना चंदन नगर क्षेत्र की है। यहां फल बेचने का काम करने वाला दिनेश पिता मोतीलाल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका पत्नी से विवाद चल रहा था। इस कारण पत्नी दो साल से दिनेश से अलग रह रही थी। वह अपने साथ दोनो बच्चों को भी भी ले गई थी। दिनेश घर में अकेला रहता था। इस कारण वह तनाव में भी था। परिजनों ने सुलह की कोशिश भी की, लेकिन नाकाम रही। गुरुवार को दिनेश ने अपनी पत्नी से बात की थी, लेकिन वह आने के लिए राजी नहीं हुई। इसके बाद उसने घर जाकर आत्महत्या कर ली।

रालामंडल वन्यजीव अभयारण्य के पास युवक का खून से लथपथ शव मिलने से सनसनी

दो दिन से लापता था युवक, पुलिस हत्या सहित अन्य एंगल से जांच में जुटी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शहर के तेजाजी नगर थाना क्षेत्र में स्थित रालामंडल वन्यजीव अभयारण्य के पास एक युवक का खून से लथपथ शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक पिछले दो दिनों से लापता बताया जा रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले को प्रथम दृष्टया संदिग्ध मानते हुए जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, देर रात कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि रालामंडल जंगल के पास सड़क किनारे एक युवक गंभीर हालत में पड़ा हुआ है। सूचना पर तत्काल तेजाजी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। घटनास्थल पर खून के निशान पाए गए हैं, जिससे आशंका जताई जा रही है कि युवक पर हमला किया गया हो सकता है। मृतक की पहचान रेनसिंह (निवासी गुना, हाल मुकाम संजाली नगर, इंदौर) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, रेनसिंह दो दिन पहले रात करीब साढ़े आठ बजे घर से निकला था, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला था। इसी बीच पुलिस को शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई। बताया जा रहा है कि रेनसिंह अपनी पत्नी के साथ इंदौर में रहकर निजी कार्य करता था। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी को लेकर चिंता जताई थी। अब अचानक इस तरह शव मिलने से परिवार में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पुलिस हत्या सहित अन्य संभावित एंगल से जांच कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और मृतक के कॉल डिटेल्स भी खंगाले जा रहे हैं। तेजाजी नगर थाना पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस हर पहलू पर बारीकी से जांच में जुटी हुई है।

दूसरों के घर में घुसकर करता था चोरी, अब खुद के घर में भी नहीं जा पाएगा आसानी से

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शहर के एरोड्रम क्षेत्र में घर में घुसकर मोबाइल झपटने की वारदात को अंजाम देने वाला शातिर बदमाश आखिरकार पुलिस के शिकंजे में आ गया। आरोपी की पहचान सुमित उर्फ गोचू भिण्डवाल के रूप में हुई है, जो पहले भी चोरी सहित कई आपराधिक मामलों में जेल जा चुका है।

घटना कैसे हुई?

पुलिस के मुताबिक दिनांक 10 फरवरी 2026 को एरोड्रम क्षेत्र में एक मकान में अज्ञात युवक घुसा और मौका पाकर मोबाइल फोन झपटकर फरार हो गया। फरियादी ने हिम्मत दिखाते हुए उसका पीछा भी किया, लेकिन आरोपी तेजी से भाग निकला और पकड़ में नहीं आया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी की पहचान सुमित उर्फ गोचू भिण्डवाल के रूप में हुई। पुलिस टीम ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया और उसके कब्जे से झपटा गया मोबाइल भी बरामद कर लिया।

भागते-भागते खुद ही तोड़ बैठा पैर

गिरफ्तारी के दौरान आरोपी ने भागने की कोशिश की। इसी दौरान वह गिर पड़ा और उसका पैर फ्रैक्चर हो गया। अब हालत यह है कि जो बदमाश दूसरों के घरों में फुर्ती से घुस जाता था, वह खुद अपने घर में भी आसानी से प्रवेश नहीं कर पाएगा। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार सुमित उर्फ गोचू पर पहले से चोरी और अन्य आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। वह पूर्व में भी जेल की सजा काट चुका है। क्षेत्रीय पुलिस अब उसके आपराधिक रिकॉर्ड की विस्तृत जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कहीं वह अन्य वारदातों में भी शामिल तो नहीं रहा।

जिसे मुख्यमंत्री ने सस्पेंड किया वो जांच कागजों में दब गई

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शराब ठेकेदार दिनेश मकवाना की मौत का मामला सामने आने के बाद वीडियो भी आया था, जिसमें देवास की आबकारी अधिकारी मंदाकिनी दीक्षित को मुख्यमंत्री ने सस्पेंड कर दिया था, लेकिन इस मामले की कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पाई।

8 नवंबर को कनाडिया थाने में रहने वाले मकवाना ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद 29 नवंबर को दिनेश के परिवार ने थाने में शिकायत की थी और आरोप लगाया था कि देवास जिले में दिनेश की शराब की दुकानें थी और उसे वसूली के लिए परेशान किया जा रहा था। 4 दिसंबर 2025 को दिनेश का वीडियो सामने आया था, जिसमें उसने मंदाकिनी दीक्षित पर आरोप लगाया था और कहा था कि मैं रिश्वत के तौर पर 22 लाख रुपए दे चुका हूं और मुझे परेशान किया जा रहा है। इस वीडियो के सामने आने के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दीक्षित को सस्पेंड कर दिया था। वीडियो सामने आने के बाद कनाडिया पुलिस ने इसकी जांच शुरू कर दी थी, लेकिन साठ दिन बाद भी पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाई है, जबकि मकवाना के कर्मचारियों के अलावा परिवार के भी बयान हो चुके हैं। मंदाकिनी ने भी आवेदन दिया था, उस पर भी अधिकारियों के बयान हुए हैं, लेकिन पुलिस इस केस को अब दबाने में लग गई है। पहले जांच सहायक थाने दार कर रहे थे, लेकिन बाद में टीआई सहर्ष यादव ने इस पर काम करना शुरू कर दिया था और अभी तक कोई केस दर्ज नहीं हो पाया है। बताते हैं कि इस केस में जानबूझकर ढीलपोल की जा रही है। बड़े अफसर से मामला जुड़ा होने के कारण बयान के लिए भी नहीं बुलाया गया है, जबकि सस्पेंड होने की कार्रवाई दो महीने पहले ही हो चुकी है, बावजूद इसके पुलिस गंभीर मामले को नजरअंदाज कर रही है।

दोस्त के कमरे से मिला एमबीए की छात्रा का निर्वस्त्र शव

वॉट्सएप ग्रुप पर आई थी आपत्तिजनक फोटो

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के द्वारकापुरी इलाके के एक मकान से एमबीए कर रही छात्रा का शव निर्वस्त्र हालत में मिला है। मकान छात्रा के सहपाठी दोस्त का है। फिलहाल पुलिस उसे तलाश रही है। छात्रा ने आत्महत्या की, या उसके साथ कुछ अनहोनी हुई। इसका खुलासा पोस्टमार्टम के बाद ही हो पाएगा।

निजी कॉलेज में एमबीए कर रही छात्रा के मोबाइल से कॉलेज के ग्रुप पर एक आपत्तिजनक फोटो भेजा गया था। इसमें एक युवक के साथ वह नजर आ रही है। युवक के चेहरे को इमोजी से छुपाया गया था। परिजनों ने बताया कि छात्रा 10 फरवरी से घर आधारकार्ड अपडेट करने का बोलकर निकली थी, लेकिन नहीं लौटी। उसने अपने दोस्त के साथ पार्टी में जाने का अपनी बहन को बोला था। रात को वह घर पर नहीं आई। उसका फोन भी स्विच ऑफ हो गया था। दूसरे दिन छात्रा के पिता को कॉलेज प्रबंधन ने बुलवाया और ग्रुप में आए वॉट्सएप मैसेज के बारे में बताया। उसके बाद पिता ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई और उसके दोस्त के साथ जाने की जानकारी दी। पुलिस शंका के आधार पर दोस्त के यहां पहुंची, लेकिन ताला लगा होने के कारण लौट गई। शुक्रवार को जब कमरे से बदबू आने लगी तो आस पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ताला तोड़कर भीतर पहुंची तो छात्र का शव मिला। उनके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और रूम को सील किया। पुलिस ने उसका मोबाइल जांच के लिए जब्त किया है, ताकि यह पता चल सके कि मृत्यु से पहले उसने किस किस से संपर्क किया था। परिजनों का कहना है कि आरोपी ने उसके मोबाइल से ग्रुप पर आपत्तिजनक फोटो भेजी होगी।

10 दिवसीय बेकरी एंड कन्फेक्शनरी एवं आइसक्रीम मेकिंग सर्टिफिकेट कोर्स का सफल आयोजन

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय इंदौर के गृह विज्ञान विभाग एवं आईक्यूएसी के तत्वावधान में 02 फरवरी से 13 फरवरी 2026 तक 10 दिवसीय बेकरी एंड कन्फेक्शनरी एवं आइसक्रीम मेकिंग सर्टिफिकेट कोर्स का सफल आयोजन किया गया। कोर्स में स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रशिक्षक श्रीमती अमृता शाह एवं विभाग के प्राध्यापकों द्वारा छात्राओं को आइसक्रीम, चॉकलेट, बिस्किट, सिम्पल एवं आइसिंग केक, पैकेजिंग एवं प्राइसिंग का सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह प्रशिक्षण छात्राओं के कौशल विकास एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल रहा।

भाजपा की गुटबाजी को रोकने के लिए संगठन की नजर हर विधानसभा में कार्यकताओं को मनाने की कोशिश

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

भाजपा में चल रही अंदरूनी लड़ाई को कंट्रोल में लाने के लिए अब भाजपा ने तैयारी शुरू कर दी है, ताकि नगर निगम और विधानसभा चुनाव में किसी भी तरह से नुकसान न उठाना पड़ जाए, क्योंकि गुटीय लड़ाई कई दिनों से आगे बढ़ती जा रही है और विधानसभा में झंझट भी हो रही है। ऐसी स्थिति को देखते हुए यह माना जा रहा है किआगे कहानी न बढ़ सके।

उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों से हर विधानसभा में लड़ाई दिख रही है और कार्यकताओं के बीच भी मतभेद सामने आ रहा है, जिसके कारण गुटीय तालमेल बिगड़ गया है और लड़ाई भी बढ़ती दिख रही है। एक नंबर में तो भले ही मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का दबदबा हो, लेकिन बाद में जिस तरीके से अंदरूनी सियासत पनप रही है, उससे संगठन के लोग चिंता में आ गए हैं। हालांकि विजयवर्गीय ने यहां पर स्थिति संभाल ही है, परन्तु विरोध करने वालों ने तरीके से खेल किया है। यहां पर तो विराम लग गया है, लेकिन दो नम्बर में अभी भी बगावत के सुर दिखाई देने लगे हैं। विधायक रमेश मेंदोला के खिलाफ जीतू चौधरी ने भी कई बार आवाज उठाई है और विवाद किया है, लेकिन अभी डैमेज कंट्रोल को रोकने के लिए संगठन ने तैयारी की है। ताकि कोई विवाद न हो सके। तीन नंबर में वैसे भी कई तरह के विवाद है और राजनीतिक लड़ाई चलती ही दिख रही है। ऐसे में विवाद की स्थिति और बढ़ सकती है। विधायक गोलू शुक्ला के साथ पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय और गोपी नेमा के समर्थकों का दबदबा दिखाई दे रहा है और यहां पर आमने सामने की स्थिति बन जाती है। चार नंबर में भी विधायक मालिनी गौड़ के साथ महापौर पुष्यमित्र भार्गव के समर्थकों के बीच विवाद की स्थिति बन जाती है और ऐसे में यहां पर संगठन चिंतित हो गया है। पांच नंबर में विधायक महेंद्र हार्डिया के खिलाफ भी विधानसभा चुनाव से ही बगावती सुर दिखाई दे रहा है। उनके टिकट को लेकर सवाल खड़े किए गए थे, लेकिन बाद में टिकट नहीं मिला और वह रिकार्ड तोड़ मतों से चुनाव जीत भी गए। ऐसी स्थिति में उनकी ताकत भी सामने आ गई। राऊ में जीतू जिराती और विधायक मधु वर्मा के बीच भी अनबन सामने आती रही है और अब इन सब गुटबाजी को देखते हुए भाजपा ने मंथन शुरू कर दिया है,क्योंकि अगले साल नगर निगम चुनाव है और पार्टी को वापस वापसी करना है। दो साल बाद विधानसभा चुनाव है। इसके लिए कोशिश की जा रही है कि संगठन में कोई विरोध न हो और तालमेल बना रहे। इसलिए संगठन के जिम्मेदारों को मैदान में उतार दिया है और वह हर विधानसभा पर नजर भी रखे हैं, ताकि झंझट न हो सके।

ऑनलाइन खरीदी में सेवा में कमी सिद्ध, अमेजन उपभोक्ता को राशि लौटाएं व क्षतिपूर्ति के आदेश

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग क्रमांक-एक, इंदौर ने ऑनलाइन ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए उपभोक्ता के पक्ष में निर्णय दिया है। जागरूक उपभोक्ता समिति के अध्यक्ष श्री मुकेश कुमार अमोलिया द्वारा परिवादी की ओर से केस लड़ा गया और आयोग की सदस्य डॉ. निधि बारंगे द्वारा आदेश पारित किया गया।

आयोग की सदस्य डॉ. बारंगे ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि प्रकरण में उपभोक्ता को सेवा में कमी का सामना करना पड़ा, जिसके लिए विपक्षी कंपनी उत्तरदायी है। परिवादी श्री मयंक जैन, निवासी वर्धमान नगर, भुवानी, इंदौर द्वारा प्रकरण दायर किया गया था। परिवाद के अनुसार, परिवादी ने अमेजन की वेबसाइट के माध्यम से अगस्त 2021 में दो परिधान उत्पाद (डिजाइनर लहंगा चोली) ऑनलाइन ऑर्डर किए थे, जिनकी कुल कीमत 97 हजार 998 रुपये थी। उत्पाद प्राप्त होने पर वे अपेक्षित गुणवत्ता एवं विवरण के अनुरूप नहीं पाए गए। इसके पश्चात परिवादी द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उत्पाद लौटाए गए, किंतु इसके बावजूद कंपनी द्वारा आज तक भुगतान की गई राशि वापस नहीं की गई।

माँ-बाप से महान कोई नहीं !!!

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

दोस्तों, आज हम सफलता, पद, क्षमता और बुद्धि आदि विषय पर चर्चा करने के स्थान पर, उनके बारे में चर्चा करेंगे जिनकी वजह से आज हम इस खूबसूरत दुनिया में जी पा रहे हैं। जी हाँ, आप सही अंदाजा लगा रहे हैं, हम आज उस रिश्ते पर बात करेंगे, जिसकी गहराई को हम अक्सर पहचान ही नहीं पाते। चलिए सांकेतिक बात करने के स्थान पर सीधे शुरुआत करते हैं...

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)

ग्लोबल हेराल्ड

हम दुनिया में हर चीज़ को तर्क से समझना चाहते हैं, लेकिन कुछ सत्य ऐसे होते हैं जिन्हें तर्क नहीं, संवेदना समझाती है। ऐसी ही एक चीज है हमारे माता-पिता का निस्वार्थ प्रेम, ममता और त्याग; जिसे अक्सर रोजमर्रा की आपाधापी में नजरंदाज कर दिया जाता है। आइए, उसी निस्वार्थ प्रेम और उसकी गहराई को हम एक कहानी से समझने का प्रयास करते हैं- बात कई साल पुरानी है, एक बार राजा के दरबार में एक सौदागर दो स्वस्थ और सुंदर गाय लेकर आया था। दोनों देखने में इतनी समान थीं कि उन्हें पहचानना असंभव था। सौदागर ने राजसभा में राजा को प्रणाम करते हुए कहा, महाराज, ये गायें माँ और बेटी हैं, पर मैं पहचान नहीं पा रहा हूँ कि इनमें से कौन माँ है और कौन बेटी। बहुत लोगों से पूछा, पर कोई उत्तर नहीं दे सका। आपके मंत्रियों की बुद्धिमानी के विषय में काफ़ी सुन रखा था, इसलिए यहाँ चला आया। शायद वे मेरी दुविधा का समाधान दे सकें। सौदागर की बात सुन मंत्री ने दोनों गायों को ध्यान से देखा और हर संभव निरीक्षण किया, पर वह भी असमंजस में पड़ गया। अंत में उसने राजा से एक दिन की मोहलत माँगी। घर लौटकर वह चिंतित था। उसकी पत्नी ने कारण पूछा। जब पूरी बात सुनी, तो वह मुस्कुराई और बोली, बस इतनी सी बात? यह तो मैं भी बता सकती हूँ। अगले दिन वह मंत्री के साथ वहाँ पहुँची। उसने दोनों गायों के सामने भरपूर भोजन रख दिया। कुछ देर बाद जो दृश्य सामने आया, वही जीवन की सबसे बड़ी सीख बन गया। एक गाय ने जल्दी-जल्दी अपना भोजन खाया और फिर दूसरी गाय के हिस्से की ओर बढ़ने लगी। दूसरी गाय चुपचाप खड़ी रही—उसने अपना भोजन छोड़ दिया। मंत्री की पत्नी ने शांत स्वर में कहा, जो गाय अपने भोजन से पहले दूसरे की चिंता कर रही है, वही माँ है क्योंकि माँ-बाप ही ऐसे होते हैं जो स्वयं भूखे रहकर भी संतान को खिलाते हैं। दरबार में सन्नाटा छा गया। दोस्तों, यह कहानी केवल गायों की नहीं है, यह हमारे जीवन का आईना है। हम बड़े होकर अक्सर भूल जाते हैं कि हमारी थाली में जो पहला कौर आया, वह किसी और की भूख से होकर आया था। माँ ने अपनी नींद छोड़ी, पिता ने अपने सपने टाले, ताकि हमारे सपनों को पंख मिल सकें। इस सत्य को अपने जीवन में गहराई से समझा था ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के पिता ने। वे बहुत साधारण नाविक थे। कलाम बताते हैं कि उनके पिता कई बार खुद उपवास रखते थे, लेकिन बच्चों की पढ़ाई और भोजन में कभी कमी नहीं आने देते थे। कलाम ने एक बार कहा था, मेरी सफलता मेरी नहीं, मेरे माता-पिता के त्याग की परिणति है। दोस्तों, दुनिया में बहुत से रिश्ते शर्तों पर चलते हैं, पर माँ-बाप का रिश्ता निःशर्त होता है। वे बदले में कुछ नहीं माँगते। न प्रसिद्धि, न धन्यवाद, न सम्मान। बस एक चीज़ चाहते हैं कि उनकी संतान ठीक रहे। आज की तेज़ रफ्तार जिंदगी में हम माँ-बाप को समय नहीं दे पाते, लेकिन मोबाइल के लिए समय निकाल लेते हैं। हम उनके शब्दों को पुरानी सोच कहकर टाल देते हैं, लेकिन बाहर की सलाह को गंभीरता से लेते हैं। यही हमारी सबसे बड़ी भूल है। दोस्तों, माँ की ममता और पिता का प्रेम सागर नहीं—महासागर है। जिसकी गहराई तब समझ आती है जब हम स्वयं किसी के लिए भूखे रहना सीखते हैं। आज अगर आपके माता-पिता जीवित हैं, तो यह ईश्वर का सबसे बड़ा वरदान है। उनके चरणों में झुक जाना कमजोरी नहीं, सबसे बड़ा सौभाग्य है क्योंकि इस संसार में माँ-बाप से महान कोई नहीं।

महू आर्मी वॉर कॉलेज में कैमरे में कैद हुआ तेंदुआ, एक हफ्ते पहले से हो रही थी तलाश

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

सैन्य छावनी के आर्मी वॉर कॉलेज क्षेत्र में एक सप्ताह पूर्व तेंदुए के देखे जाने की सूचना वन विभाग को दी गई थी। इसके बाद विभाग द्वारा से क्षेत्र में कैमरे लगा दिए गए थे, जहां गुरुवार को कैमरा देखा गया तो उसमें तेंदुआ जाता हुआ दिखाई दिया।

आर्मी वॉर कॉलेज महू भारतीय सेना का एक प्रमुख प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान है, जो मध्य प्रदेश के महू में स्थित है। यहां पर सेना के अधिकारियों को युद्ध की रणनीति और आधुनिक सैन्य सिद्धांतों में प्रशिक्षित किया जाता है। यह क्षेत्र बेरछा रेंज के जंगल के समीप स्थित है, जहां घने पेड़ कटीली झाड़ियां लगी है। जहां पूर्व में तेंदुए को देखा गया था। इसके बाद से ही सैन्य अधिकारियों ने वन विभाग को सूचित किया था, जिसके बाद यहां पर विभाग द्वारा दो कैमरे लगा दिए गए थे। वन परिक्षेत्र महू के रेंजर नयन पल्लवी ने बताया कि आर्मी वॉर कॉलेज क्षेत्र में लगाए गए कैमरे को देखा गया तो उसमें तेंदुआ जाता हुआ दिखाई दिया। उसके बाद आर्मी वॉर कॉलेज के वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित कर दिया गया, वहीं शुक्रवार को क्षेत्र में विभाग द्वारा पिंजरा लगाया जाएगा।

सैन्य क्षेत्र में सतर्कता बढ़ाई

तेंदुए के मूवमेंट को देखते हुए आर्मी वॉर कॉलेज क्षेत्र में सेवा द्वारा अपने प्रशिक्षित दल की तैनाती कर दी गई है। क्षेत्र निवारण सूरत सैनिक कर्मियों को भी सचेत रहने की बात कही गई है। वन विभाग के अनुसार वन्य प्राणी जनगणना में महू के मानपुर एवं चोरल के जंगलों में गत दो वर्षों में तेंदुए की संख्या बढ़ी हैं। विभाग के अनुसार 50 से अधिक न-मादा तेंदुए क्षेत्र में विचरण करते हैं। शिकार एवं पानी की तलाश में आबादी क्षेत्र में पहुंच जाते हैं। एक माह पूर्व ही एक घायल मादा तेंदुआ एवं दो बच्चों का रेस्क्यू किया गया था, जिन्हें बाद में चिड़ियाघर इंदौर पहुंचा दिया गया। इस मामले में एसडीओ वन विभाग महू प्रियंका बामनिया ने बताया कि तेंदुए की अनेक जगह मूवमेंट मिलते हैं। दो दिन पूर्व बेरछा गांव में दो तेंदुए देखे गए थे। इसके चलते सभी जगह ग्रामीणों को अलर्ट रहने के साथ रात्रि के समय जंगल में नहीं जाने की सलाह दी गई है।

दो दिवसीय पुष्प प्रदर्शनी 14-15 फरवरी को

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप जारी वर्ष को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष के दौरान एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना/प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन वर्ष 2025-26 अंतर्गत जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय दो दिवसीय सेमिनार तथा जिला स्तरीय पुष्प प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन 14 एवं 15 फरवरी 2026 को ग्रामीण हाट बाजार ढक्कनवाला कुआं इन्दौर में किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन 14 फरवरी 2026 को सुबह 10.30 बजे होगा।

रीगल तिराहे पर बनेगा छहलेन ब्रिज, अफसरों ने किया दौरा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के दो हिस्सों को जोड़ने वाले शास्त्री ब्रिज के पास नए ब्रिज की संभावनाओं को तलाशने के लिए नगर निगम और रेलवे के अफसरों ने शनिवार को दौरा किया। अफसरों ने उस हिस्से को देखा, जहां नया ब्रिज बनना है। दरअसल अभी रेलवे स्टेशन का विस्तार किया जा रहा है। पुराने शास्त्री ब्रिज के कारण प्लेटफार्म समान रूप से लंबे नहीं हो पा रहे हैं। इस कारण नए ब्रिज को बनाने की प्लानिंग रेल विभाग ने की।

पुराना शास्त्री ब्रिज दो लेन था। इस कारण कई बार वाहन ब्रिज पर ओवरटेक नहीं कर पाते थे। वाहन के खराब होने पर जाम की स्थिति भी बनती थी। नया ब्रिज छह लेन होगा और उसकी ऊंचाई भी ज्यादा होगी, ताकि भविष्य के हिसाब से रेल गाड़ियों का आवागमन भी आसान हो सके। नया ब्रिज रेल विभाग और नगर निगम मिलकर बनाएंगे। नए ब्रिज के लिए जमीन की भी परेशानी नहीं आएगी, क्योंकि एक तरफ गांधी हॉल का बगीचा है और दूसरी तरफ रीगल टॉकीज की बिल्डिंग है। दोनों नगर निगम के अधीन हैं। शास्त्री ब्रिज 70 साल पुराना है और उसके कई हिस्से जर्जर हो चुके हैं। पिछले दिनों ब्रिज के एक हिस्से में गड्ढा हो गया था। ब्रिज के कई हिस्से जर्जर हो चुके हैं और उसकी मरम्मत में भी हर साल नगर निगम को पैसा खर्च करना पड़ता है। नया ब्रिज पूर्वी क्षेत्र और मध्य क्षेत्र के ट्रैफिक को और आसान बनाएगा। नए ब्रिज की डिजाइन रेलवे ने बना दी है।

इंदौर के डबल डेकर ब्रिज का 80 प्रतिशत काम पूरा, चार माह में मिलेगी सौगात

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के लवकुश चौराहे पर बन रहे प्रदेश के पहले डबलडेकर ब्रिज का काम 80 प्रतिशत पूरा हो चुका है। चार माह में इस ब्रिज की सौगात मिल सकती है। यह ब्रिज मेट्रो ट्रैक और सुपर कॉरिडोर बने ब्रिज को पार कर उज्जैन रोड की तरफ उतरेगा। इस ब्रिज की अधिकतम ऊंचाई जमीन से 70 फीट है। ब्रिज के मध्य हिस्से के स्पान रखे जाना शेष है। इसके लिए विशेष क्रेन कंपनी ने मंगाई है। यह काम ट्रैफिक रोककर किया जाएगा।

अपनी ऊंचाई के कारण इस ब्रिज की लंबाई भी शहर के दूसरे ब्रिजों से ज्यादा है। यह ब्रिज डेढ़ किलोमीटर लंबा है और इसके निर्माण पर 300 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। डबलडेकर ब्रिज के बनने से हर दिन एक लाख लोगों की राह आसान होगी। सिंहस्थ के समय भी यह ब्रिज ट्रैफिक में मददगार साबित होगा। यह ब्रिज अरबिंदो अस्पताल के चौराहे पर खत्म होगा और वहां से इंदौर-उज्जैन छहलेन ब्रिज का काम शुरू होगा।

भुजा पर हो रहा डामरीकरण

ब्रिज की भुजा पर डामरीकरण शुरू हो चुका है। दोनों तरफ से यह काम जारी है। इसके अलावा ब्रिज के विद्युतीकरण और सौंदर्यीकरण का काम भी चल रहा है। जल्दी ही यह काम पूरा हो जाएगा। जून माह तक ब्रिज का निर्माण पूरा हो जाएगा। इसके बाद ट्रैफिक के लिए यह खोल दिया जाएगा। इंदौर विकास प्राधिकरण के अफसरों का कहना है कि ब्रिज के मध्य हिस्से की डिजाइन में कर्व दिया गया है। इससे ब्रिज पर चलने वाला ट्रैफिक भी सुरक्षित रहेगा और सुंदर भी दिखाई देगा। आपको बता दें कि ब्रिज का भूमिपूजन तीन साल पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया था। सुपर कॉरिडोर का ब्रिज सालभर पहले बन चुका था। उसकी दोनों भुजाओं से ट्रैफिक गुजर रहा है।

रनवे पर मंडरा रहा था खतरा एयरपोर्ट पर पिंजरे में फंसा सियार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर विमानतल पर एक बार फिर जंगली जानवरों की मौजूदगी ने विमान सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। रनवे के पास लगाए गए पिंजरे में एक सियार फंस गया, जिसे वन विभाग की टीम ने सुरक्षित तरीके से जंगल में छोड़ दिया।

रनवे के पास लगाया गया था पिंजरा

एयरपोर्ट डायरेक्टर सुनील मग्गीरवार के अनुसार विमानों की सुरक्षित उड़ान सुनिश्चित करने के लिए एयरपोर्ट परिसर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। रनवे और आसपास के इलाकों में कई स्थानों पर पिंजरे लगाए गए हैं। नियमित जांच के दौरान एक पिंजरे में सियार मिला। इसकी सूचना तुरंत वन विभाग को दी गई, जिसके बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर सियार को सुरक्षित स्थान पर छोड़ा। दिसंबर 2025 में नागर विमानन महानिदेशालय की जांच टीम ने रनवे के आसपास दो सियार देखे थे। इसके बाद

एयरपोर्ट प्रबंधन ने जिला प्रशासन और वन विभाग को पत्र लिखकर सियारों को पकड़ने की मांग की थी। उसी के बाद से अभियान तेज किया गया, जिसमें अब पहली सफलता मिली है।

परिसर में 10 से अधिक सियार होने की आशंका

एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार परिसर में 10 से अधिक सियार और अन्य जंगली जानवरों की मौजूदगी की आशंका है। वर्ष 2014 में भी विमान से सियार टकराने की घटना के बाद अभियान चलाया गया था, जिसमें 15 से ज्यादा जानवर पकड़े गए थे। अधिकारियों का कहना है कि जानवरों की मौजूदगी विमान सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकती है, इसलिए लगातार निगरानी और कार्रवाई जारी रहेगी।

एयरपोर्ट और वन विभाग का संयुक्त अभियान

एयरपोर्ट का ऑपरेशनल एरिया 728 एकड़ से अधिक में फैला है। रनवे के आसपास बड़े खुले मैदान और घास-फूस होने के कारण जंगली जानवर बाउंड्रीवॉल के नीचे से परिसर में प्रवेश कर जाते हैं। इसी खतरे को देखते हुए एयरपोर्ट प्रबंधन और वन विभाग संयुक्त अभियान चला रहे हैं, ताकि किसी भी प्रकार की विमान दुर्घटना की आशंका को रोका जा सके।

पानी की बबार्दी करने वाले सावधान, हाई कोर्ट ने सरकार को दिया 4 हफ्ते का समय

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर हाई कोर्ट ने बड़वानी जिले के सुदूर क्षेत्रों में गहराते जल संकट को लेकर दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। माननीय न्यायालय ने यह स्पष्ट किया है कि पानी की समस्या का समाधान केवल तात्कालिक उपायों तक सीमित नहीं रहना चाहिए।

कोर्ट ने सरकार को आदेश दिया है कि न केवल इंदौर संभाग, बल्कि संपूर्ण मध्य प्रदेश के लिए प्राकृतिक जलस्त्रोतों के संरक्षण और उनके पुनरुद्धार के लिए एक व्यापक और ठोस कार्ययोजना बनाई जाए। प्रशासन को उन सभी कुओं, तालाबों और प्राचीन बावड़ियों को चिन्हित करने को कहा गया है जो वर्तमान में सूख चुके हैं या उपेक्षा के कारण जर्जर अवस्था में हैं। इन जल निकायों को फिर से जीवित करने के लिए प्रभावी प्लानिंग की आवश्यकता पर बल दिया गया है और सरकार को इस संबंध में अपनी विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया गया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त की कि जल संकट अब एक स्थानीय मुद्दा न रहकर एक गंभीर राज्यव्यापी समस्या बन चुका है। कोर्ट ने सुझाव दिया कि इसे राज्य की प्रमुख नीतियों का हिस्सा बनाया जाना अनिवार्य है। याचिकाकर्ता के वकील मनीष विजयवर्गीय ने दलील दी कि निमाड़ और मालवा जैसे क्षेत्रों में गर्मी का प्रभाव समय से पहले ही दिखने लगा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज खण्डवा और बुरहानपुर जिले के प्रवास पर रहेंगे

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 14 फरवरी को इंदौर संभाग के खण्डवा और बुरहानपुर जिले के प्रवास पर रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुरहानपुर जिले को 696 करोड़ 37 लाख रुपए के विकास कार्यों की देंगे सौगातें देंगे। वहीं खण्डवा जिले में 600 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन करेंगे। कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

बुरहानपुर में मुख्य कार्यक्रम नेहरू स्टेडियम में आयोजित होगा। इस अवसर पर 334 करोड़ 22 लाख रुपए की लागत के 32 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 362 करोड़ 15 लाख रुपए की लागत के 48 कार्यों का भूमिपूजन किया जा जायेगा। प्रस्तावित कार्यक्रम अनुसार जिले में आगमन के पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रोड शो में शामिल होंगे। यह रोड शो शिकारपुरा थाना क्षेत्र के जीजामाता चौराहा से नेहरू स्टेडियम बुरहानपुर तक आयोजित रहेगा। नेहरू स्टेडियम बुरहानपुर में आयोजित भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया जायेगा। वहीं कृषि, उद्यानिकी सहित अन्य विभागों द्वारा विकास प्रदर्शनी लगाई जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव खण्डवा जिले के पंधाना में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 255 करोड़ रूपए लागत के 2 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लगभग 354 करोड़ रूपए लागत के 11 निर्माण कार्यों का लोकार्पण करेंगे।

सीएम बोले- जनगणना से ही समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की रणनीति तय होती है

भोपाल ■

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार, भोपाल में जनगणना - 2027 के प्रथम चरण के लिए आयोजित राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा किआदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में ऐतिहासिक जनगणना होने जा रही है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इसके क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश, देश के लिए आदर्श मॉडल बनकर उभरेगा और भारत सरकार की अपेक्षाओं एवं उद्देश्यों की सफल पूर्ति करेगा।राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना-2027 की प्रक्रिया पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनगणना देश की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण डाटा प्रक्रिया है। इसके आधार पर सरकार की योजनाएं बनती हैं, संसाधनों का वितरण तय होता है और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की रणनीति तैयार होती है। आज जब भारत विश्व का सर्वाधिक आबादी वाला राष्ट्र है, तब यह जनगणना केवल राष्ट्रीय नहीं बल्कि वैश्विक महत्व की भी है। जनगणना का कार्य केवल प्रशासनिक प्रक्रिया तक सीमित नहीं है बल्कि यह भारत के भविष्य की दिशा तय करने वाला सबसे व्यापक और निर्णायक अभियान है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने डिजिटल जनगणना कराने का ऐतिहासिल फैसला लिया है। देश में आखिरी बार 1931 में सामाजिक स्तर की जनगणना की गई थी। उन्होंने जनगणना की प्रक्रिया में गांवों, मंजरों-टोलों के साथ-साथ बेचिराग गांवों की स्थिति के आंकलन की व्यवस्था करने की भी आवश्यकता बताई।

जनगणना देश की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण डाटा प्रक्रिया

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सड़क, अस्पताल, स्कूल जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही विकसित होते हैं। इसलिए जनगणना केवल संख्या गिनने की प्रक्रिया नहीं है, यह राज्य की संवेदनशीलता, प्रशासन की विश्वसनीयता, प्रतिबद्धता और शासन की पारदर्शिता की परीक्षा है। प्रदेश के अलग-अलग अंचलों की चुनौतियां भिन्न हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष रणनीति अपनाते हुए समयबद्ध रूप से जनगणना की जिम्मेदारियों का निर्वहन किया जाए। इस पूरी प्रक्रिया की सफलता का केन्द्र मैदानी प्रशासनिक अधिकारी हैं। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर और कमिश्नर्स से जनगणना कार्य को रणनीतिक नेतृत्व प्रदान करते हुए जनगणना के सभी उद्देश्यों की समयसीमा में पूर्ति करने का आव्हान किया। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में उपस्थित प्रदेश के सभी कमिश्नर-कलेक्टरों से कहा कि मध्यप्रदेश विधानसभा का बजट सत्र 16 फरवरी से प्रारंभ होकर 6 मार्च तक चलेगा। उन्होंने आगामी महाशिवरात्रि और होली जैसे त्योहारों के दृष्टिगत शांति समितियों के साथ बैठक कर अन्य आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

भावांतर योजना के बेहतर क्रियान्वयन की अधिकारियों को दी बधाई

मुख्यमंत्री ने भावांतर योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए सभी अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जी-रामजी की योजना क्रियान्वयन के लिए बेहतर प्रबंध किए जाएं। राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में घोषित किया है। किसानों से जुड़ी सभी योजनाओं और कार्यों के लिए उचित प्रबंध किए जाएं। ग्रीष्मकालीन फसलों में राज्य सरकार उड़द और मूंगफली को प्रोत्साहित करने की योजना बना रही है। मक्का की फसलों से भी किसान लाभान्वित हो रहे हैं। नरवाई जलाने की घटनाओं को शून्य करने में विभिन्न जिले स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रखें। प्रदेश में दलहन-तिलहन उत्पादन को बढ़ाने के लिए कार्य किए जाएं। मुख्यमंत्री ने खनिज, पंजीयन, आबकारी के अंतर्गत राजस्व संग्रहण लक्ष्यों को प्राप्त करना सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

पहला चरण 1 मई से शुरू होगा

बता दें देश की जनगणना 2027 का पहला चरण, जिसे हाउसलिस्टिंग (मकान सूचीकरण) और आवास जनगणना कहा जाता है, 1 मई 2026 से शुरू होगी। यह देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी, जिसमें मोबाइल ऐप का उपयोग किया जाएगा। इस चरण में 30 दिनों की अवधि में घरों की स्थिति और सुविधाओं की गणना की जाएगी। इसके बाद जगणना का दूसरा चरण 1 फरवरी 2027 से शुरू होगा।

ईरानी डेरे से गिरफ्तार 39 बदमाशों में से 11 रिमांड पर, 14 पर दूसरे राज्यों में केस दर्ज

भोपाल ■

राजधानी भोपाल में 10-11 फरवरी की दरमियानी रात, डीसीपी के नेतृत्व में 400 पुलिसकर्मियों ने ईरानी डेरे पर छापा मारा। इस कार्रवाई में कुल 39 बदमाश गिरफ्तार किए गए, जिनमें से 27 को जेल भेज दिया गया है। 11 आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है, जबकि एक लाख 30 हजार रुपये के इनामी शहादत हुसैन को राजगढ़ पुलिस ट्रांजिट रिमांड पर ले गई है।

गिरफ्तार और रिमांड पर

गिरफ्तार 39 आरोपियों में से 14 के खिलाफ दूसरे राज्यों में भी अपराध दर्ज हैं। इन राज्यों की पुलिस को भी पूछताछ के लिए सूचना भेजी गई है। शेष आरोपियों के खिलाफ लूट, जालसाजी और चोरी जैसे गंभीर अपराध दर्ज हैं। ईरानी डेरे के सरदार राजू ईरानी की गिरफ्तारी के बाद दूसरे धड़े के कुख्यात अपराधी काला ईरानी, तरू और सालिक अभी भी फरार हैं। काला ईरानी लंबे समय से डेरे का सरदार बनने का प्रयास कर रहा है और बड़ी गैंग का संचालन करता है। पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की हैं और दूसरे राज्यों की पुलिस से भी संपर्क बनाए हुए हैं।

फर्जी जमानत पर कई आरोपी बाहर

जांच में सामने आया कि ईरानी गैंग के कई आरोपी फर्जी जमानतदारों और नकली बही खातों के सहारे जमानत कराते रहे। रिमांड में पूछताछ से अंतरराज्यीय गैंग नेटवर्क, चोरी की वाहनों की सप्लाई चेन और सरगनाओं के नाम उजागर हो सकते हैं। कई आरोपियों के खिलाफ स्थायी वारंट लंबित थे, फिर भी वे डेरे में खुलेआम रह रहे थे।

पुलिस कार्रवाई जारी

भोपाल पुलिस ने सभी फाइलों और मामलों को दोबारा खंगालना शुरू कर दिया है। फरार बदमाशों की तलाश के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। पुलिस ने बताया कि ये आरोपी दूसरे राज्यों में अपराध करने या पनाह लेने गए हो सकते हैं।

सिंहस्थ-2028 से पहले उज्जैन को बड़ी सौगात 189 करोड़ की बायपास रेलवे लाइन मंजूर

भोपाल ■

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन बायपास रेलवे लाइन परियोजना को मंजूरी देने पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया है। भारतीय रेल द्वारा 189.04 करोड़ रुपये की लागत से इस परियोजना को स्वीकृति दी गई है। यह 8.60 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन नईखेड़ी और चिंतामन गणेश रेलवे स्टेशन को जोड़ेगी। इसके बन जाने से उज्जैन के पास ट्रेनों के लिए वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा। अभी कई ट्रेनों को उज्जैन स्टेशन से रिवर्स करना पड़ता है, जिससे समय की बबार्दी और देरी होती है। बायपास लाइन बनने से यह समस्या खत्म होगी और रेल संचालन अधिक सुचारु हो सकेगा।

यह परियोजना विशेष रूप से सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण है।

सिंहस्थ के दौरान लाखों श्रद्धालु उज्जैन पहुंचते हैं। ऐसे में अतिरिक्त और निर्बाध रेल व्यवस्था से यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। सरकार का मानना है कि इस परियोजना से न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि क्षेत्रीय विकास को भी गति मिलेगी। उज्जैन और आसपास के इलाकों में व्यापारिक गतिविधियां बढ़ेंगी और रेलवे नेटवर्क अधिक प्रभावी बनेगा। सिंहस्थ-2028 को लेकर मध्य प्रदेश में तैयारियां तेज हो गई हैं। उज्जैन में आयोजित होने वाला यह महापर्व देश के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है, जिसमें देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु पहुंचते हैं। राज्य सरकार इस बार सिंहस्थ को और अधिक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और डिजिटल सुविधाओं से युक्त बनाने की दिशा में काम कर रही है। रेलवे, सड़क, पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य सेवाएं और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। हाल ही में उज्जैन बायपास रेलवे लाइन को मंजूरी भी इसी तैयारी का हिस्सा है, जिससे श्रद्धालुओं का आवागमन सुगम होगा। प्रशासन का फोकस ट्रैफिक मैनेजमेंट, अस्थायी आवास, स्वच्छता और आपदा प्रबंधन पर भी है। सरकार का लक्ष्य है कि सिंहस्थ-2028 आस्था के साथ-साथ बेहतर प्रबंधन और आधुनिक सुविधाओं का उदाहरण बने।

बैठक में समाज में सकारात्मक बदलाव लाने पर हुई चर्चा

सिवनी. मप्र जन अभियान परिषद के नवाकुंर संस्था विवेकानंद वेलफेयर फाउंडेशन एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति, बिलकटा द्वारा छपारा के सेक्टर क्रमांक-2 में सेक्टर स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेक्टर की पांचों प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारी, सदस्य, विद्यार्थी, मेंटर्स मौजूद रहे। जिला समन्वयक सौरभ शुक्ला ने बैठक के मुख्य उद्देश्य के बारे में बताया। समितियों को उनके लक्ष्यों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पांच स्तंभों पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान केवल अपने घर तक सीमित न रहकर पूरे गांव और क्षेत्र को कचरा मुक्त बनाने का संकल्प लेना चाहिए।

नौ साल के बच्चे ने खून से पत्र लिखकर सिंधिया को सौंपा

ग्वालियर ■

ग्वालियर में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे नौ साल के मासूम बच्चे ने अपने खून से पत्र लिखकर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से न्याय की गुहार लगाई है। मासूम ने शहर के एक नामी डॉक्टर पर बिना डिग्री-डिप्लोमा के दवाओं का अत्यधिक डोज देते हुए उसके शरीर में गंभीर बीमारी पैदा करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस मामले में जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वहीं पिता-पुत्र ने भी एलान किया है कि अब यदि न्याय नहीं मिला तो वे आत्मदाह कर लेंगे।

दरअसल ग्वालियर का रहने वाला नौ साल का मासूम यशवर्धन राठौर तीसरी कक्षा में पढ़ता है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के ग्वालियर आगमन की सूचना मिलने पर वह अपने पिता मोनू राठौर के साथ ग्वालियर एयरपोर्ट पहुंचा, जहां उसके द्वारा अपने खून से लिखा न्याय की गुहार वाला पत्र केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को सौंपा। सिंधिया ने पत्र को देखा और पिता पुत्र को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। जब सिंधिया एयरपोर्ट से रवाना हो रहे थे तब एक बार फिर पिता पुत्र उनके काफिले के सामने आ गए। सिंधिया ने काफिला रोक उनसे कहा कि वह बच्चे को न्याय जरूर दिलाएंगे। बता दें कि पिता मोनू राठौर का आरोप है कि उसके बेटे यशवर्धन के सिर पर उम्र के हिसाब से बाल कम थे। बालों की कम ग्रोथ को देखते हुए वह शिंदे की छावनी स्थित डमेटोलॉजिस्ट की क्लिनिक पर पहुंचे।

स्मार्ट मीटर ने उड़ाई नींद! अचानक चार गुना बढ़ा बिजली बिल, आयोग ने क्षतिपूर्ति के आदेश दिए

ग्वालियर ■

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के खिलाफ दायर एक महत्वपूर्ण प्रकरण में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग ने उपभोक्ता के पक्ष में फैसला सुनाया है। आयोग ने स्मार्ट मीटर लगाने के बाद अचानक बढ़े बिजली बिल को सेवा में कमी मानते हुए बिजली कंपनी को संशोधित बिल जारी करने और क्षतिपूर्ति देने के निर्देश दिए हैं।

प्रकरण में सामने आया कि स्मार्ट मीटर लगाने के दो दिन के भीतर ही उपभोक्ता का बिजली बिल चार गुना बढ़ गया। अप्रैल 2025 में 159 यूनिट खपत पर 437 रुपए का बिल जारी हुआ था, लेकिन दो दिन बाद

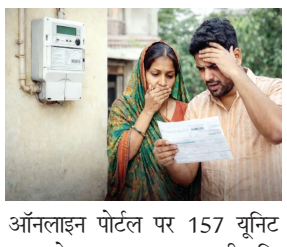

ऑनलाइन पोर्टल पर 157 यूनिट खपत के साथ 1830 रुपए की राशि दर्शा दी गई। शशि वाजपेयी ने आयोग में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि बिजली कंपनी ने बिना स्पष्ट सहमति के उनका पुराना मीटर हटाकर स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिया। विरोध के बाद पुराना मीटर दोबारा लगाया गया, लेकिन इसका सही रिकॉर्ड दर्ज नहीं किया गया। आयोग ने माना कि एक ही माह में दो अलग बिल जारी करना और शिकायत के बावजूद सुधार न करना सेवा में कमी है।

संत शिरोमणि श्री नारायणदास महाराज के नाम पर तिराहा, नगर विकास को मिली नई दिशा

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। नगर के पुराने एबी रोड स्थित बारद्वारी फिल्टर प्लांट एवं इंदौर-बॉम्बे फोर लेन पहुंच मार्ग पर निर्मित तिराहे को संत शिरोमणि श्री नारायणदास महाराज के नाम से संत नारायणदास त्रिवेणी धाम के रूप में विकसित किए जाने हेतु शुक्रवार को विधिवत भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन त्रिवेणी धाम के पूज्य संत शिरोमणि रामरीछपालजी महाराज के करकमलों से सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद सेंधवा की अध्यक्ष बसंती बाई यादव ने की। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि नगर पालिका विकास और सांस्कृतिक पहचान–दोनों को साथ लेकर चलने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। सेंधवा की पहचान केवल व्यापारिक

या भौगोलिक नहीं, बल्कि धार्मिक और आध्यात्मिक परंपराओं से भी जुड़ी है। संत परंपरा का सम्मान करना हमारी प्राथमिकता है और इसी भावना से तिराहे का नाम संत शिरोमणि श्री नारायणदास महाराज के नाम पर किया गया है। उन्होंने कहा कि नगर में निरंतर आधारभूत संरचना के विकास के साथ-साथ धार्मिक स्थलों एवं मार्गों का उन्नयन भी किया जा रहा है। आगामी समय में इस तिराहे का व्यवस्थित सौंदर्यीकरण, प्रकाश व्यवस्था एवं आकर्षक संरचना के साथ विकास किया जाएगा, जिससे यह क्षेत्र नगर की पहचान बने। संत शिरोमणि श्री रामरीछपालजी महाराज ने आशीर्वचन में कहा कि जब से जुड़ते हैं तो समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने नगरवासियों के सुख, समृद्धि एवं शांति की कामना की। प्रवक्ता सुनील अग्रवाल ने बताया कि संत नारायणदास हॉस्पिटल के संचालकगण द्वारा पूर्व में नगर पालिका अध्यक्ष को पत्र सौंपकर पुराने एबी रोड से अस्पताल पहुंच मार्ग पर डिवाइडर निर्माण के पश्चात बने तिराहे को विकसित करने का प्रस्ताव दिया गया था। प्रस्ताव में समाजसेवी स्व. विष्णुप्रसाद यादव की स्मृति को चिरस्थायी बनाने तथा संत शिरोमणि नारायणदास महाराज के नाम से तिराहे का निर्माण कर उसे संत श्री नारायणदास त्रिवेणी चौक के रूप में स्थापित करने की मांग की गई थी।

विद्यांजलि ने बदले प्रा. शाला पन्ड्रापानी, बोडखी व चुक्काटोला की सूरत

बालाघाट ■

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के विद्यालयों की सूरत पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के एक प्रयास से बदल रही है। एकल सुविधा केन्द्र विद्यांजलि, एकल प्रयास सामूहिक विकास के तहत कायाकल्प का कार्य किया जा रहा है। इस कायाकल्प ने शासकीय प्राथमिक शाला पन्ड्रापानी, बोडखी व चुक्का टोला के शाला भवन को चमका दिया है। लेकिन इन सबके बीच पन्ड्रापानी व चुक्काटोला शौचालय के हॉल बेहतर नहीं हैं।

शासकीय प्राथमिक शाला पन्ड्रापानी के एक शौचालय का दरवाजा टूटा है। उसमें लकड़ी भरी है। दूसरे शौचालय के भी हॉल ठीक नहीं है। हालांकि उक्त शाला भवन कायाकल्प के बाद चमक रहा है। शिक्षक प्रीतम सिंह बघेल ने बताया कि वर्तमान समय में आंगनबाड़ी भवन में कक्षा लगाई जा रही है। शासकीय प्राथमिक शाला बोडखी का भवन चमक रहा है। यहां छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय है। पानी के पर्याप्त इंतजाम है। प्रधान पाठक रमेश कुमार मरावी ने बताया कि शाला भवन बारिश में टपकता था, लेकिन कायाकल्प के बाद यह बेहतर हो गया है। बैगा ग्राम चुक्काटोला के शासकीय प्राथमिक शाला भवन के हॉल ठीक नहीं थे। बारिश के दिनों में छात्रों को परेशानी होती थी, लेकिन अब विद्यांजलि ने भवन की सूरत बदल दी है। यहां छात्र-छात्राओं के लिए शौचालय एक ही है, जो काफी पुराना है।

शिवरात्रि का त्यौहार और शिव-पार्वती विवाह महोत्सव...

सुनीता कुमारी
लेखिका-बिहार
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

शिवरात्रि हिंदू धर्म का एक अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण पर्व है। यह भगवान शिव की आराधना और उपासना का विशेष दिन माना जाता है। वर्ष भर में कई शिवरात्रियाँ आती हैं, परंतु फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को आने वाली महाशिवरात्रि सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है। इस दिन श्रद्धालु व्रत रखते हैं, रात्रि जागरण करते हैं और शिवलिंग की विधिपूर्वक पूजा करते हैं।

शिवरात्रि का धार्मिक महत्व- शिवरात्रि का अर्थ है शिव की रात्रि। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था, इसलिए यह पर्व विवाह, प्रेम और समर्पण का प्रतीक भी माना जाता है। एक अन्य मान्यता के अनुसार इसी दिन भगवान शिव ने सृष्टि के कल्याण के लिए विष का पान किया था, जिससे संसार की रक्षा हुई। इसलिए शिव को नीलकंठ भी कहा जाता है। शिवरात्रि आध्यात्मिक जागरण का भी प्रतीक है। माना जाता है कि इस दिन मनुष्य अपने भीतर के अज्ञान और अहंकार को त्यागकर आत्मिक शुद्धि प्राप्त कर सकता है।

पूजा-विधि और अनुष्ठान- शिवरात्रि के दिन श्रद्धालु प्रातः स्नान कर व्रत का संकल्प लेते हैं। मंदिरों में शिवलिंग पर जल, दूध, दही, शहद, बेलपत्र, धतूरा आदि अर्पित किए जाते हैं। भक्त ॐ नमः शिवाय मंत्र का जाप करते हैं और पूरी रात जागरण कर भजन-कीर्तन करते हैं। कुछ लोग निर्जल व्रत रखते हैं, जबकि कुछ फलाहार करते हैं।

शिवरात्रि की आध्यात्मिक शिक्षा- यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में संयम, साधना और आत्मचिंतन कितना महत्वपूर्ण है। शिवरात्रि केवल पूजा का दिन नहीं, बल्कि आत्मानुशासन और मन की शुद्धि का अवसर भी है। भगवान शिव का सरल, शांत और वैरागी स्वरूप हमें विनम्रता और संतुलन का संदेश देता है। भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और आस्था का अद्भुत संगम है। यह केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि जीवन में प्रेम, तप, संयम और दिव्यता के मिलन का प्रतीक भी है। यह दिन भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य मिलन की स्मृति में मनाया जाता है और भक्तों के लिए आत्मशुद्धि, साधना और भक्ति का महान अवसर बन जाता है।

शिवरात्रि का आध्यात्मिक महत्व- शिवरात्रि का अर्थ है – शिव की रात्रि। मान्यता है कि इस रात सृष्टि के मूल तत्त्व जागृत होते हैं और भक्ति करने वाले साधकों को विशेष

आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त होती है। हिंदू परंपरा के अनुसार इस पावन रात्रि में भगवान शिव का प्राकट्य हुआ था, और इसी दिन उनका विवाह माता पार्वती से संपन्न हुआ था। इसलिए यह पर्व केवल उपवास या पूजा का दिन नहीं, बल्कि दिव्य प्रेम और शक्ति-तत्त्व के मिलन का उत्सव है। शिव-पार्वती विवाह की पौराणिक कथा पौराणिक ग्रंथों के अनुसार माता पार्वती, पर्वतराज हिमालय की पुत्री थीं। उन्होंने शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की। वर्षों तक कठिन साधना करने के बाद शिव उनकी भक्ति से प्रसन्न हुए और उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया। कहा जाता है कि शिव का विवाह अत्यंत अनोखा था – उनके बाराती साधु, भूत-प्रेत और योगी थे। यह विवाह हमें सिखाता है कि सच्चा प्रेम बाहरी रूप, वैभव या दिखावे से नहीं, बल्कि समर्पण और आत्मिक जुड़ाव से होता है।

शिवरात्रि के प्रमुख अनुष्ठान- इस दिन भक्त विशेष श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना करते हैं–

व्रत और उपवास रखा जाता है, रात्रि जागरण और भजन-कीर्तन होते हैं, शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र अर्पित किए जाते हैं, ॐ नमः शिवाय मंत्र का जप किया जाता है, मान्यता है कि इस दिन की गई भक्ति जीवन के कष्टों को दूर करती है और मन को शांति देती है।

शिव-पार्वती विवाह महोत्सव की परंपरा- भारत के कई मंदिरों में शिवरात्रि पर शिव-पार्वती विवाह का प्रतीकात्मक आयोजन किया जाता है। इसमें बारात, विवाह मंडप और वैदिक मंत्रों के साथ दिव्य विवाह का दृश्य प्रस्तुत किया जाता है।

विशेष रूप से इन पवित्र स्थलों पर भव्य आयोजन होते हैं— काशी विश्वनाथ मंदिर, केदारनाथ मंदिर, अमरनाथ गुफा मंदिर यहाँ हजारों श्रद्धालु इस दिव्य विवाह के साक्षी बनते हैं और आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

कैलाश का दिव्य महत्व- मान्यता है कि शिव और पार्वती का निवास कैलाश पर्वत पर है। यह पर्वत तप, ध्यान और दिव्यता का प्रतीक माना जाता है। शिवरात्रि के दिन भक्त इस दिव्य धाम को स्मरण कर मन ही मन प्रणाम करते हैं।

सांस्कृतिक और सामाजिक संदेश- शिव-पार्वती विवाह हमें कई गहरे जीवन-संदेश देता है– तपस्या और धैर्य से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है, प्रेम में समर्पण और समानता आवश्यक है, शक्ति और चेतना का संतुलन ही सृष्टि को संचालित करता है, सरलता और त्याग जीवन को महान बनाते हैं, शिवरात्रि और शिव-पार्वती विवाह महोत्सव केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि जीवन के गहन सत्य का प्रतीक है। यह हमें सिखाता है कि प्रेम, तपस्या और विश्वास से जीवन में संतुलन और शांति प्राप्त की जा सकती है। जब भक्त इस पावन रात में दीप जलाकर, मंत्र जपकर और ध्यान कर-के शिव का स्मरण करते हैं, तो उनके भीतर भी एक नई चेतना जागृत होती है – वही चेतना जो सृष्टि के मूल में है। अगर आप चाहें तो मैं इस विषय पर भाषण, निबंध, कविता, या शिवरात्रि शुभकामना संदेश भी लिख सकता हूँ। शिवरात्रि केवल धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आत्मिक उन्नति और सकारात्मक परिवर्तन का अवसर है। यह हमें सादगी, करुणा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। भगवान शिव की आराधना से जीवन में शांति, शक्ति और संतुलन प्राप्त होता है – यही इस पावन पर्व का वास्तविक संदेश है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

गायत्री परिवार सेंधवा की तहसील समन्वयक समिति का गठन

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। शांतिकुंज हरिद्वार में माताजी के जन्म शताब्दी आयोजन की अपार सफलता के पश्चात अनुयाज क्रम में केंद्र शांतिकुज हरिद्वार से संगठन सशक्तिकरण के लिए जिले एवं समस्त तहसीलों में पुनर्गठन का निर्देश हुआ है। इसी के तत्वाधान में ओंकारेश्वर उपजोन समन्वयक श्री पन्नालाल भैया जी बिरला एवं जिला समन्वयक श्री महेंद्र भैया भावसार तथा श्री मेवालाल पाटीदार जी गायत्री धाम की उपस्थिति में गायत्री परिवार सेंधवा की तहसील स्तरीय समन्वयक समिति का गठन गायत्री शक्तिपीठ सेंधवा पर किया गया।

गठन के निर्वाचन में तहसील सेंधवा के आसपास के क्षेत्र झिरिझमली, महेदगाव, नवलपुरा से गायत्री परिजन, प्रज्ञा मंडल, महिला मंडल, युवा मंडल एवं सेंधवा गायत्री परिवार ट्रस्ट मंडल के सदस्य सम्मिलित हुए। सर्वसम्मति से श्री मगनलाल भैया डुडवे को तहसील समन्वयक, श्री दिलीप कांनखरें सहसमन्वयक, (शक्तिपीठ) पदेन श्री प्रिंस भैया वर्मा सहसमन्वयक (रिकॉर्ड रिपोर्ट), गुलशन भैयाआर्य सदस्य मंडल विस्तार अभियान, सुश्री दुर्गा गुप्ता सदस्य नारी जागरण अभियान , श्रीमती प्रीति वर्मा सदस्य आओ गढ़े संस्कारवान पीढ़ी, श्री विजय सोलंकी सदस्य युवा जोड़ो अभियान , श्री पर्वत राज भैया मौर्य सदस्य भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा, श्री प्रकाश भैया नरगावे सदस्य साधना एवं स्वाध्याय अभियान, श्री शीला भैया अहीरे सदस्य पर्यावरण एवं जल संरक्षण अभियान, श्रीमती निशा चौहान सदस्य शिक्षा एवं बाल संस्कारशाला, श्री विश्वनाथ भैया पाटिल सदस्य स्वालंबन एवं शिक्षक प्रशिक्षण, श्री शंभू भैया डाबर सदस्य नशा व्यसन कुरीति एवं आदर्श मनोनीत किए गए। गायत्री परिवार मीडिया प्रभारी श्री विजय पाटिल भैया एवं श्रीमती निर्मला वर्मा जीजी को नियुक्त किया गया। सभी निर्विरोध निर्वाचित तहसील समन्वयक समिति सदस्यों को परम श्रद्धेय श्री मेवालाल पाटीदार जी, श्री पन्नालाल भैया बिरला जी, श्री महेंद्र भावसार जी, , शिंदे दीदी, मीरा जीजी, संगीता कनखरे , हेमलता शिवहरे जीजी, अर्चना नागर ,दिलीप भैया झवर, , राजेंद्र भैया भालके, पूजा पाटिल, पंकज भाई, महेंद्र भैया सोनी,ने शुभकामनाएं बधाई प्रेषित की।

एमपी-यूपी को जोड़ेगा 232 किमी का फोरलेन, 56 गांवों का मुआवजा अटका

छतरपुर ■

कबरई से सागर तक बनने वाले 232 किमी लंबे बहुप्रतीक्षित फोरलेन प्रोजेक्ट पर मध्यप्रदेश छतरपुर जिले में ब्रेक लग गया है। जहां एक ओर सागर (मप्र) और महोबा-कानपुर (यूपी) में हाईवे का निर्माण युद्ध स्तर पर चल रहा है, वहीं छतरपुर जिले में मुआवजे के वितरण में हो रही देरी ने पूरे प्रोजेक्ट को लटका दिया है।

मुआवजे के 43 करोड़ रुपए नहीं मिले

जिले में कुल 203 करोड़ रुपए का मुआवजा बांटा जाना है, लेकिन एनएचएआई के आंकड़ों के मुताबिक अब तक केवल 160 करोड़ रुपए ही किसानों के खातों में पहुंच पाए है। शेष 43 करोड़ रुपए की राशि तकनीकी कारणों और प्रशासनिक ढिलाई के चलते अटकी हुई है।

प्रोजेक्ट में चल रही देरी

मुआवजे की इस लेत-लतीफी का सीधा असर प्रोजेक्ट के फेज-3 और फेज-4 पर पड़ा है। इन दोनों फेजों के टेंडर हुए करीब आठ महीने बीत चुके है, लेकिन जमीन पर काम शुरू नहीं हो सका है। कंपनियां काम शुरू करने को तैयार है, लेकिन अधिग्रहित भूमि का कब्जा न मिलने से मशीनें खड़ी है। छतरपुर, बिजावर और बड़ामलहरा तहसीलों के 56 गांवों की जमीन अधिग्रहित की जा चुकी है। देरी का मुख्य कारण बैंक खातों का विवरण न होना और तकनीकी समस्याएं बताई जा रही हैं। हाल ही में मध्यांचल बैंक का नाम बदलकर मध्यप्रदेश बैंक होने से आईएफएससी कोड बदल गए हैं, जिससे भुगतान फेल हो रहा है। इसके अलावा, कई स्थानों पर किसान ठेकेदारों पर नक्शे से बाहर जाकर जमीन खोदने का आरोप लगाकर काम रोक रहे हैं।

क्या कहते हैं लोग

राजेश खरे निवासी गौरैया का कहना है मेरी भूमि गौरैया के पास है, वहां निर्माण शुरू हो गया है पर मुआवजा नहीं मिला। तहसील के चक्कर काटकर थक गया हूं। अब कहा जा रहा है कि एक महीने में छोटे भूस्वामियों की राशि आएगी। हरिचरण कुशवाहा का कहना है प्लॉट अधिग्रहण हो गया पर मुआवजा नहीं मिला। अधिकारियों से मिलने पर सिर्फ आश्वासन मिलता है, जबकि पड़ोसियों को पैसा मिल चुका है। रोहित सेन निवासी बगौता ने बताया मेरा 1 हजार वर्ग फीट का प्लॉट अधिग्रहित है, लेकिन जारी सूची में नाम ही गायब है। अब अधिकारी दोबारा सर्वे में नाम जोडने की बात कह रहे हैं।

2023 में बनी थी योजना

इस फोरलेन प्रोजेक्ट की डीपीआर अप्रेल 2023 में मंजूर हुई थी। केंद्रीय भूतल परिवहन विभाग ने 2026 तक निर्माण पूरा करने का लक्ष्य रखा था। एनएचएआई की छतरपुर इकाई की सुस्ती के कारण प्रक्रिया पूरी करने में पहले ही एक साल की देरी हो चुकी है। अब मुआवजा वितरण में देरी इस लक्ष्य को और आगे खिसका सकती है।

फेज-3- साठिया घाटी से चौका गांव तक (55 किमी) का निर्माण 717 करोड़ की लागत से वेल्जी रत्ना सोराठिया इंफ्रास्ट्रक्चर को मिला है।

फेज-4- चौका गांव से कैमाहा बैरियर तक (43 किमी) का निर्माण 688 करोड़ की लागत से एमकेसी इंफ्रास्ट्रक्चर गुजरात को आवंटित किया गया है।

कस्वामियों को मुआवजा राशि सीधे खातों में डाली जा रही है। अब बहुत विवादित है या बैंक खातों से जुड़ी कोई तकनीकी समस्या है। जल्द ही इनका बचे हैं। इनमें वे मामले जिनके दस्तावेज अपूर्ण हैं. भूमि निराकरण कर लिया जाएगा। **अखिल राठौर, एसडीएम, छतरपुर**

टैटू से खुली बक्से में मिले महिला के शव की गुत्थी, प्रेमी निकला हत्यारा

भोपाल ■

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में गुरुवार को पानी की टंकी में बक्से में मिले महिला के शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। महिला की शिनाख्त उसके हाथ पर बने टैटू के जरिए हुई और शिनाख्त होने के कुछ घंटों बाद ही उसकी हत्या की पूरी कहानी खुल गई। महिला की हत्या उसके ही शादीशुदा प्रेमी ने परिवार के साथ मिलकर गला दबाकर की थी और फिर अपने भाई के साथ मिलकर लाश को ठिकाने लगाया था।

टैटू से हुई पहचान

पानी की टंकी में बक्से में मिली महिला के शव के हाथ पर एक टैटू बना हुआ था। इसी टैटू के जरिए महिला की शिनाख्त महाराष्ट्र के गोंदिया की रहने वाली 22 साल की मिसबाह उर्फ सिया के रूप में हुई। पुलिस ने जांच तेज की तो पता चला कि सिया की एक साल पहले भोपाल

में रहने वाले समीर से दोस्ती हुई थी और फिर दोनों के बीच चैटिंग हुई और प्यार हो गया। अक्टूबर 2025 में सिया भोपाल आ गई और प्रेमी समीर के साथ उसके कमल नगर स्थित घर में रह रही थी।

शादीशुदा है प्रेमी समीर

पुलिस के मुताबिक सिया का प्रेमी समीर पहले से शादीशुदा है और उसके दो बच्चे भी हैं। सिया समीर पर शादी करने का दबाव बना रही थी और समीर की पत्नी से भी विवाद करती थी जिसके कारण वो अपने मायके जबलपुर चली गई थी। 7-8 फरवरी की दरम्यानी रात भी सिया और समीर में झगड़ा हुआ था इसी दौरान समीर ने गुस्से में आकर सिया का गला दबाकर हत्या कर दी थी। सिया को जान से मारने के बाद समीर ने अपने भाई, मां व बहन को पूरी घटना बताई।

वेतन वृद्धि और स्थायीकरण की मांग को लेकर दैनिक वेतनभोगी मुखर

नागदा। ग्राम पंचायत झारडा में वर्षों से कार्यरत दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि एवं स्थायी नियुक्ति की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों के अनुसार पंचायत में लगभग 25 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी कार्यरत हैं, जिन्हें वर्तमान में कलेक्टर द्वारा निर्धारित मजदूरी दर से भी कम वेतन पर कार्य करना पड़ रहा है। कर्मचारियों ने बताया कि लगातार बढ़ती महंगाई के बीच इतनी कम आय में परिवार का भरण-पोषण करना बेहद कठिन हो गया है। कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से पंचायत के विभिन्न कार्यों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उनकी आर्थिक स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। कर्मचारियों ने बताया कि उनमें से कई कर्मचारी पिछले 25 से 30 वर्षों से लगातार सेवाएं दे रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें शासन की किसी भी योजना या सुविधा का लाभ नहीं मिला है।

वाड़ीले परिवार में शादी में हुआ अंगदान ओर रक्तदान के प्रति जागरूकता अभियान

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। शादी में हुवा अंगदान ओर रक्तदान के प्रति जागरूकता अभियान सेंधवा शहर के वाड़ीले परिवार में शादी के शुभ अवसर पर दूल्हा विशाल दुल्हन नम्रता भाई राहुल पत्नी पायल ओर पिता सुरेश माता सोनी बाई ने समाज के सामने शादी से पूर्व मानव सेवा समिति सेंधवा के माध्यम से अंगदान करने का संकल्प पत्र भरने का निर्णय लिया।

कुछ दिन पूर्व ही सेंधवा निवासी मानवसेवा समिति के प्रमुख नीलेश जी जैन ने अपने भांजे दीपक के विवाह के आयोजन मे नेत्र दान अंगदान एवं देह दान की जनजाग्रति के लिए अभियान चलाया था इसी से प्रेरणा लेकर सार्थक ग्रुप के विशाल वाडीले ने अपनी पत्नी सहित परिवार के 6 लोगों ने अंगदान का संकल्प लिया और सकल्प लेकर समाज मे एक नई परम्परा की शुरवात की इस अवसर पर सुभाष चंद्र बोस रक्तदान समिति ने भी रक्तदान शिविर का आयोजन किया इस अवसर पर ,10 यूनिट रक्तदान हुआ इस अवसर पर निलेश जैन महेंद्र परिहार अशोक राठौड़ श्याम पाटिल गोविंद अग्रवाल जयसिंह ओर करुणा हॉस्पिटल की बल्ड बैंक की टीम मौजूद थी।

महाशिवरात्रि पर्व पर 10 दिवसीय मेले का आज होगा भव्य शुभारंभ

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। नगर में महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित 10 दिवसीय महाशिवरात्रि मेले का शुभारंभ आज शनिवार शाम 5 बजे किया जाएगा। मेले का विधिवत उद्घाटन अनुसूचित जनजाति आयोग राष्ट्रीय अध्यक्ष अंतरसिंह आर्य, क्षेत्रीय विधायक मोंटू सोलंकी, नपा अध्यक्ष बसंती बाई यादव तथा भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एस वीरा स्वामी द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा।

मेले के संबंध में जानकारी देते हुए प्रवक्ता सुनील अग्रवाल ने बताया कि महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर नगर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य मेले का आयोजन किया जा रहा है। दस दिनों तक चलने वाले इस मेले में धार्मिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने बताया कि मेले में श्रद्धालुओं और नगरवासियों के लिए झूले, खान-पान की स्टॉलें, धार्मिक सामग्री की दुकानें तथा बच्चों और महिलाओं के लिए आकर्षक आयोजन किए गए हैं। साथ ही सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, ताकि आगंतुकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मेला समिति के अध्यक्ष मोहन जोशी, उपाध्यक्ष छोटू चौधरी ने अधिक से अधिक संख्या में नागरिकों से मेले में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील करते हुए कहा कि महाशिवरात्रि के इस पावन पर्व पर आयोजित यह मेला नगर में धार्मिक आस्था और उत्साह का केंद्र बनेगा। 10 दिनों मेला आनंद उत्साह का केंद्र होकर भरपूर मनोरंजन का साधन है। मेले में महिलाओं को प्राथमिकता देते हुए मेले आयोजन के मध्य में एक दिन सिर्फ महिलाओं को झूले की दर में 50 प्रतिशत डिस्काउंट देकर आधे दाम पर झूले का आनंद ले सकते है।

पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा में यूपी की महिला को हार्ट अटैक, सीपीआर से भी नहीं बची जान

ग्वालियर ■

ग्वालियर जिले के डबरा में पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा में शुक्रवार को दुखद घटना हो गई। यहां कथा में पंडाल में बैठी उत्तर प्रदेश की 65 वर्षीय महिला की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मृतका की पहचान इटावा निवासी पुष्पा देवी के रूप में हुई है। वे दो दिनों से डबरा के नवग्रह शक्ति पीठ पर कथा में शामिल हो रही थीं। जैसे ही वह पंडाल में अपनी जगह पर बैठीं, अचानक उनके सीने में तेज दर्द उठा और वह अचेत होकर गिर पड़ीं।

पुष्पा देवी के रिश्तेदार संतोष सोनी ने बताया कि वे सुबह समय पर कथा स्थल पहुंच गए थे। अचेत होने के बाद परिजनों ने सीपीआर देने की कोशिश की, लेकिन उनके मुंह से झाग निकलने लगा। उन्हें तत्काल कथा परिसर में बने अस्थायी

अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार पुष्पा देवी लंबे समय से दिल की बीमारी से जूझ रही थीं। लगभग दो साल पहले उन्हें गंभीर समस्या हुई थी, जिसके बाद से उनका इलाज जारी था। बीमार होने के बावजूद वे भगवान शिव के प्रति अपनी आस्था के कारण डबरा में अपने रिश्तेदारों के यहां रुककर कथा सुनने पहुंची थीं। पुष्पा देवी अपनी ननद के साथ इटावा से डबरा आई थीं। वे यहां सराफा बाजार स्थित अपने रिश्तेदारों के घर रुकी हुई थीं।

वेलेंटाइन डे से पहले प्रेमी को खरीदा, फिल्म जुदाई की तरह हुई करोड़ों की डील

भोपाल ■

कहते हैं प्रेम की कोई कीमत नहीं होती, लेकिन राजधानी भोपाल में कुटुंब न्यायालय में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। एक प्रेमिका ने किसी के पति से प्यार किया औ? करोड़ों रुपए में उसकी डील भी कर ली। इस रियल सीन ने फिल्म जुदाई का सीन हमें जरूर याद दिलाया है, लेकिन यहां मामला पत्नी की महत्वाकांक्षाओं का नहीं, बल्कि एक मां के त्याग का है। पत्नी ने अपने सिंदूर की कीमत जरूर लगाई, लेकिन अपने स्वार्थ या इच्छाओं को पूरा करने नहीं, बल्कि अपनी बेटियों की मुस्कुराहट के लिए। ऐसे में ये एमपी की कहानी सिर्फ डेढ़ करोड़ के सौदे की नहीं रह गई, बल्कि यह एक नई कहानी है, टूटते-दरकते रिश्तों के माहौल के बीच

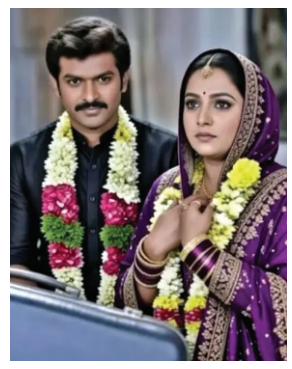

एक सुलझी कहानी अपने टूटते घर की नींव में अपनी बेटियों के लिए नया आशियाना खड़ा करने की कहानी, त्याग और समर्पण की ये कहानी बड़ी इमोशनल है।

जब हकीकत बन गई फिल्म जुदाई

बरसों पहले बड़े पर्दे पर दिखीं श्रीदेवी ने पैसों के लिए अपने पति का सौदा किया था, तब दुनिया ने उसे महज एक कहानी और एंटरटेनमेंट स्टोरी समझ लिया था। लेकिन भोपाल में एक पत्नी ने जब देखा कि उसके पति का दिल अब उसके पास नहीं बल्कि, दफ्तर वाली वरिष्ठ अधिकारी के पास धड़क रहा है। तब उसने बेवजह रोज के झगड़ों और आंसुओं के बजाय एक मजबूत कदम उठाने का फैसला लिया।

एक मां का सबसे बड़ा त्याग

इस पूरी डील में सबसे भावुक पहलू भी है। उस पत्नी में कितना स्वाभिमान और ममता है। उसने पति को बेचा नहीं, बल्कि अपनी बेटियों को बचाया। उसने 27 लाख कैश और एक मकान की शर्त इसलिए नहीं रखी कि वह लालची थी। बल्कि इसलिए रखी ताकि पिता के जाने के बाद उसकी बेटियों की पढ़ाई और सिर से छत न छिन जाए। उसने अबनी खुशियों का त्याग कर बच्चों के आर्थिक भविष्य की नींव रखी है।

प्यार, पैसा और समझौता... इमोशनल है ये कहानी

54 वर्षीय महिला अधिकारी ने भी अपने प्यार को पाने के लिए उम्र भर की जमा पूंजी दांव पर लगा दी। शायद यही कारण है कि यह दुनिया की नजर में एक सौदा हो, लेकिन उन तीन जिंदगियों के लिए यह एक सम्मानजनक विदाई है। एक तरफ वो महिला जिसने सबकुछ देकर अपना प्यार खरीदा, दूसरी तरफ वो जिसने अपना सबकुछ खोकर भी अपनी औलाद का भविष्य सुरक्षित कर लिया।

जान के लिए खतरा बन रहे हैं लिव-इन रिलेशनशिप

मनोज कुमार अग्रवाल
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

हाल ही में एक ऐसा मामला सामने आया है जिस में शार्ट फिल्मों में काम दिलाने के बहाने सनी युवतियों को शिकार बनाता था। इसके बाद उन्हें देह व्यापार के दलदल में धकेल देता था। पुलिस ने सनी के साथ उसकी मां रंजना और मां के प्रेमी प्रदीप को गिरफ्तार कर लिया है। इस वारदात के मूल में लिवइन जिम्मेदार है। आगरा के थाना खंदौली के यमुना एक्सप्रेसवे टोल प्लाजा के पास शुक्रवार को कंबल में लपेटकर फेंके गए महोबा की सोनाली के शव के मामले में पुलिस ने महिला के साथ लिव इन में रहने वाले प्रेमी सनी, उसकी मां रंजना और मां के प्रेमी प्रदीप को जेल भेजा है। मामले में मृतका की बहन भारती ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पूछताछ में सामने आया है कि सनी शार्ट फिल्मों में काम दिलाने के बहाने युवतियों को जाल में फंसाकर देहव्यापार करवाता था। दूसरी युवती से दोस्ती का विरोध करने पर उसने सोनाली की हत्या कर दी थी।

दूसरा मामला मध्यप्रदेश में इंदौर के सुगनीदेवी कॉलेज परिसर में गंभीर हालत में मिली युवती की इलाज के दौरान मौत हो गई। युवती को राहगीरों ने घायल अवस्था में एमवाय अस्पताल पहुंचाया था। उसके हाथों और शरीर पर कई टैटू बने हुए थे, वहीं शरीर पर ब्लेड से काटने के निशान भी पाए गए थे। शुरूआती जांच में डॉक्टरों को उसके साथ ज्यादती की आशंका हुई, जिसके चलते सैंपल भी लिए गए थे। पुलिस जांच में सामने आया कि युवती पर हमला उसके लिव-इन पार्टनर ने किया था। आरोपी ने हत्या की नीयत से पत्थर से वार किया था। देर रात इलाज के दौरान युवती ने दम तोड़ दिया। लिव-इन रिलेशनशिप या सहमति संबंध एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें स्त्री-पुरुष बिना विवाह किए पति-पत्नी की भांति रहने के साथ-साथ आपस में शारीरिक संबंध भी बना लेते हैं व कई तो बच्चे भी पैदा कर लेते हैं। आपसी सहमति से कायम ऐसे संबंध पश्चिमी देशों में आम बात है। उनकी देखा-देखी भारत जैसे देशों में भी यह बुराई फैलने लगी है, जिसके दुखद परिणाम निकलने लगे हैं। लिव-इन रिलेशन में रहने वाले अपने पार्टनर की हत्या करने से भी संकोच नहीं करते पिछले दिनों में लगातार ऐसी वारदातों की झड़ी लगी हुई है। आपको ऐसी कुछ और वारदातों से अवगत कराते हैं 27 नवम्बर, 2025 को दिल्ली के छावला इलाके में वीरेंद्र

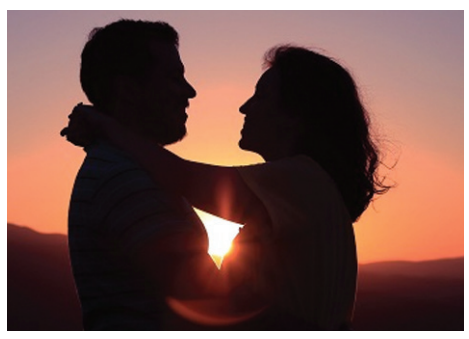

सिंह नामक व्यक्ति को जब उसकी लिव-इन पार्टनर ने शराब पीने से रोका तो वीरेंद्र सिंह ने गुस्से में आकर उसका गला दबा दिया जिससे उसकी मौत हो गई। 30 नवम्बर, 2025 को चेन्नई (तमिलनाडु) में अपने पति को छोड़ कर गोविंदराज नामक व्यक्ति के साथ लिव-इन में रहने वाली प्रियंका नामक युवती ने किसी बात पर विवाद के चलते गोविंदराज को मार डाला। 8 दिसम्बर, 2025 को लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में रत्ना नामक विधवा ने अपनी 18 और 14 वर्षीय 2 बेटियों की सहायता से अपने लिव-इन प्रेमी सूर्य प्रताप सिंह की गला काट कर हत्या कर दी और पुलिस को बताया कि वह उसकी बड़ी बेटी पर बुरी नजर रखता था। 4 जनवरी, 2026 को ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश) में दक्षिण कोरिया के एक नागरिक की चाकू से गोद कर हत्या कर देने के आरोप में उसकी मणिपुर निवासी लिव-इन पार्टनर को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार मृतक शराब पीने का आदी था और अक्सर युवती से मारपीट करता था जिसका अंजाम इस दुखद घटना के रूप में निकला। 8 जनवरी, 2026 को झांसी (उत्तर प्रदेश) में प्रीति नामक महिला के साथ लिव-इन में रह रहे रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी राम सिंह को प्रीति की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।12 जनवरी, 2026 को गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) में आरती नामक महिला की हत्या के आरोप में उसके लिव-इन पार्टनर प्रवीण कुमार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार दोनों में शराब पीने के बाद किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया जिस पर प्रवीण कुमार ने आरती की पसलियों और छाती पर ताबड़तोड़ वार करके उसे मार डाला।18 जनवरी, 2026 को बिजनौर (उत्तर प्रदेश) के चांदपुर मेंशीतल नामक एक महिला ने अपने लिव-इन पार्टनर हरिओम सिंह की हत्या कर दी। पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान शीतल ने बताया कि रिलेशन के दौरान जब उसे गर्भ ठहरा तो हरिओम सिंह ने उसका गर्भपात करवा दिया और शादी के लिए बार-बार कहने पर भी वह मान नहीं रहा था। इस कारण वह नाराज होकर 15 जनवरी को अपने घर चली गई थी। घटना के दिन वह चांदपुर लौटी। दोनों ने पहले शराब पी। फिर दोनों के बीच झगड़ा हुआ और शीतल ने शादी के लिए दोबारा दबाव बनाया तो हरिओम ने खुद को फांसी लगाने की धमकी देते हुए घर के बैड पर खड़े होकर अपने गले में फंदा डाल लिया। यह देख गुस्से में आई शीतल ने उसके पैरों में यह कहते हुए लात मार दी कि मैं ही तुझे मार देती हूं। इससे वह फांसी पर झूल गया और दम घुटने से उसकी मौत हो गई। इसके बाद वह मोहल्ले के कुछ लोगों के साथ शव को खुद ही अपने साथ लेकर अस्पताल पहुंची और आत्महत्या की कहानी गढ़ दी लेकिन अंततः उसका भेद खुल गया और शीतल पकड़ी गई। उच्च प्राचीन भारतीय संस्कृति को देखते हुए निःसंकोच यह बात कही जा सकती है कि लिव-इन रिलेशन किसी भी दृष्टि से भारतीय परिवारों के अनुकूल नहीं है। यह एक ऐसी बुराई है जिसका परिणाम दुखद ही निकलता है। अतः इस तरह के रिश्ते बनाने से बचना ही बेहतर है।आए दिन हो रही वारदातों से पता चलता है कि लिव-इन रिलेशनशिप की बुनियाद बेहद खोखले आपसी स्वार्थ और कपट पर टिकी हुई है और भारतीय समाज में अपराध को जन्म दे रही है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

टिकट महंगे, सेवाये सस्ती और एयरलाइंस की मनमानी

कभी जो हवाई यात्रा सुविधा, सम्मान और भरोसे का प्रतीक मानी जाती थी, आज वही आम यात्रियों के लिए तनाव, लूट और असुरक्षा का कारण बनती जा रही है। देश में सीमित हवाई जहाज कंपनियों के कारण एक तरह की मोनोपॉली बन चुकी है, जिसका सीधा नुकसान यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। पहले हवाई यात्रा सबसे सुरक्षित मानी जाती थी आज कल ये यात्रा असुरक्षित होती जा रही है क्योंकि हवाई जहाजों में तकनीकी खराबियों, इमरजेंसी लैंडिंग और दुर्घटनाओं की खबरे बढ़ती जा रही है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा किए गए विभिन्न निरीक्षणों में ज्यादातर विमानों में तकनीकी त्रुटियाँ और सुरक्षा मानकों की अनदेखी पाई गई। कहीं इंजन से जुड़ी खामियाँ मिलीं, तो कहीं मेंटेनेंस रिकॉर्ड में गड़बड़ी।सवाल यह है कि जब निरीक्षण में खामियाँ मिल रही हैं, तो यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा। धीरे धीरे भारतीय विमानन क्षेत्र में गिनी-चुनी कंपनियाँ ही सक्रिय हैं। प्रतिस्पर्धा कम होने का सीधा असर यह हुआ है कि टिकट के दाम मनमाने ढंग से बढ़ाए जाते। त्योहार हो, आपात स्थिति हो या छुट्टियों का मौसम ,किराए आसमान छूने लगते हैं, लेकिन सेवा का स्तर लगातार गिरता जा रहा है।पहले हवाई यात्रा में सीट का चयन मुफ्त होता था, आज सीट चुनने के लिए भी अतिरिक्त शुल्क देना पड़ता है। खिड़की वाली सीट चाहिए तो पैसा, आगे बैठना है तो पैसा।

दीप्ति डांगे
लेखक, मुम्बई
ग्लोबल हेराल्ड

यानी टिकट के नाम पर सिर्फ यात्रा नहीं, बल्कि हर सुविधा अब एक अलग प्रोडक्ट बन चुकी है। एक समय था जब फ्लाइट में सम्मानजनक भोजन परोसा जाता था। आज स्थिति यह है कि या तो महँगा पैक्ड फूड खरीदिए, या फिर मजबूरी में घटिया क्वालिटी का फास्ट फूड स्वीकार कीजिए।यह बदलाव केवल सुविधा में कटौती नहीं, बल्कि यात्रियों के स्वास्थ्य के साथ भी समझौता है। अब घंटों का इंतजार, फ्लाइट डिले कोई अपवाद नहीं, बल्कि सामान्य बात हो गई है।कभी तकनीकी कारण, कभी ऑपरेशनल समस्या यात्रियों को घंटों एयरपोर्ट पर बैठाकर रखा जाता है, न तो सही जानकारी दी जाती है, न ही उचित मुआवजा। बुजुर्ग, बच्चे और बीमार यात्री इस अव्यवस्था के सबसे बड़े शिकार बनते हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब किराए बढ़ रहे हैं, सुविधाएँ घट रही हैं और सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं, तो नियामक संस्थाएँ क्या कर रही हैं? जब जनता मीडिया इस बात को जोर शोर से उठाती है तो सरकार जुमार्ना लगा देती है ओर उसके सर्किल कम कर देती है।क्या एयरलाइंस पर सिर्फ जुमार्ना काफी है, या यात्रियों के हित में सख्त कार्रवाई की जरूरत है? विमानन क्षेत्र केवल निजी कंपनियों का कारोबार नहीं, बल्कि सार्वजनिक महत्व की सेवा है। इसलिए इसकी सुरक्षा, पारदर्शिता और यात्री हितों की रक्षा करना सरकार और नियामक संस्थाओं की जिम्मेदारी है।ओर उसको पारदर्शिता से निभाना चाहिये। सबसे पहले, डीजीसीए को सुरक्षा मानकों पर सख्त और नियमित निगरानी सुनिश्चित करनी चाहिए। निरीक्षण केवल औपचारिक न हों, बल्कि प्रभावी हों, और गंभीर खामियाँ मिलने पर कड़ी कार्रवाई हो। दूसरा, टिकटों के मनमाने दामों पर नियंत्रण और पारदर्शिता जरूरी है, खासकर आपात या त्योहारों के समय, ताकि यात्रियों का शोषण न हो। तीसरा, फ्लाइट देरी या रद्द होने की स्थिति में यात्रियों को भोजन, सही सूचना और मुआवजा मिलना उनका अधिकार है, उपकार नहीं। सबसे महत्वपूर्ण, सरकार को नई विमानन कंपनियों के लिए अवसर बढ़ाने चाहिए और क्षेत्र में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करना चाहिए। अधिक खिलाड़ियों के आने से मोनोपॉली कम होगी, किराए संतुलित रहेंगे और सेवाओं की गुणवत्ता बेहतर होगी। सरकार को भी हवाई यात्रा को केवल मुनाफे का साधन नहीं, बल्कि सुरक्षित, सुलभ और यात्री-हितैषी सेवा बनाया जाए। आज हवाई यात्रा कोई लग्जरी नहीं, बल्कि आज के समय में आवश्यक परिवहन सेवा बन चुकी है। लेकिन जब मुनाफा ही सर्वोपरि हो जाए और यात्री केवल ग्राहक बनकर रह जाए, तब सवाल उठना लाजमी है। हवाई यात्रा का उद्देश्य समय बचाना और सुविधा देना है, न कि तनाव बढ़ाना। मुनाफा किसी भी उद्योग का हिस्सा हो सकता है, लेकिन जब लाभ की दौड़ में सुरक्षा और सेवा पीछे छूटने लगे, तो हस्तक्षेप अनिवार्य हो जाता है। अब समय है कि विमानन क्षेत्र में संतुलन स्थापित किया जाए, जहाँ कंपनियाँ लाभ कमाएँ, लेकिन यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और अधिकारों की कीमत पर नहीं।

डीपफेक का धोखा और डिजिटल सख्त नियमों की अनिवार्यता

ललित गर्ग | लेखक

डिजिटल युग में सूचना की गति जितनी तीव्र हुई है, उतनी ही तेजी से भ्रम, छल और दुष्प्रचार की संभावनाएँ भी बढ़ी हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डीपफेक तकनीक ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। अब केवल शब्दों से नहीं, बल्कि चेहरों, आवाजों और भाव-भंगिमाओं से भी झूठ को सच की तरह प्रस्तुत किया जा सकता है। यही कारण है कि केंद्र सरकार ने डीपफेक और एआई जनित सामग्री के नियमन के लिए आईटी नियमों को सख्त करने का निर्णय लिया है। बीस फरवरी से लागू होने जा रहे नए प्रावधानों के अनुसार एआई द्वारा निर्मित सामग्री पर स्पष्ट लेबल लगाना अनिवार्य होगा और किसी भी अवैध या भ्रामक सामग्री को तीन घंटे के भीतर हटाना या ब्लॉक करना होगा। पहले यह समयसीमा 36 घंटे थी। यह बदलाव केवल तकनीकी संशोधन नहीं, बल्कि डिजिटल नैतिकता और लोकतांत्रिक जवाबदेही की दिशा में एक गंभीर हस्तक्षेप है। पिछले कुछ वर्षों में डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग भयावह रूप से सामने आया है। राजनीतिक नेताओं के फर्जी वीडियो, अभिनेत्रियों की अश्लील रूप से परिवर्तित तस्वीरें, सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाले ऑडियो क्लिप और आर्थिक धोखाधड़ी के लिए बनाए गए कृत्रिम संदेश-ये सब इस बात के प्रमाण हैं कि तकनीक तटस्थ नहीं रहती, उसका उपयोग और दुरुपयोग दोनों संभव हैं।

ग्लोबल हेराल्ड

जब सत्य को जूता जा रहा हो और झूठ को परिष्कृत तकनीक के सहारे प्रमाणिकता का आवरण पहनाकर प्रस्तुत किया जा रहा हो, तब समाज में अविश्वास का वातावरण बनना स्वाभाविक है। ऐसी स्थिति में सरकार द्वारा नियंत्रण की पहल आवश्यक प्रतीत होती है, क्योंकि यह केवल अभिव्यक्ति का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकों की प्रतिष्ठा से जुड़ा विषय है। नए नियमों के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से बढ़ाई गई है। अब उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि उपयोगकर्ता को यह जानकारी मिले कि साझा की जा रही सामग्री एआई से निर्मित है या नहीं। इससे पारदर्शिता का एक न्यूनतम मानक स्थापित होगा। साथ ही, तीन घंटे की समयसीमा यह संकेत देती है कि सरकार डिजिटल अपराधों की गंभीरता को समझ रही है। डीपफेक वीडियो के वायरल होने के बाद उसका खंडन अक्सर प्रभावहीन हो जाता है, इसलिए त्वरित कार्रवाई ही नुकसान को सीमित कर सकती है। परंतु यह भी सच है कि इतनी कम समय सीमा में सामग्री की सत्यता की जांच करना तकनीकी और प्रशासनिक दृष्टि से अत्यंत जटिल कार्य है। इससे प्लेटफॉर्मों पर निगरानी तंत्र को अत्यधिक सुदृढ़ करना पड़ेगा, जो लागत और संचालन दोनों के स्तर पर चुनौतीपूर्ण होगा। यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि ह्लआपत्तिजनकह्व या ह्लभ्रामकह्व सामग्री की परिभाषा कौन और किस आधार पर तय करेगा। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मूलाधिकार है। यदि नियमन की प्रक्रिया पारदर्शी और न्यायसंगत नहीं होगी, तो इसके दुरुपयोग की आशंकाएँ जन्म लेंगी। अतीत में भी यह देखा गया है कि जब-जब सोशल मीडिया पर नियंत्रण के प्रयास हुए, तब कुछ वर्गों ने इसे सरकारी अतिक्रमण के रूप में प्रस्तुत किया। इसलिए नियमन और स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना अत्यंत आवश्यक है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि नियमों का प्रयोग असहमति को दबाने के लिए नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से दुष्प्रचार और अपराध को रोकने के लिए हो। इस दिशा में स्वतंत्र निगरानी तंत्र, न्यायिक समीक्षा और पारदर्शी शिकायत निवारण प्रणाली अनिवार्य घटक हो सकते हैं। वैश्विक परिदृश्य भी इसी संकट की ओर संकेत करता है। ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस जैसे देशों ने बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग की न्यूनतम आयु निर्धारित करने जैसे कदम उठाए हैं। अमेरिका में इंस्टाग्राम और यूट्यूब के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभावों की जांच के लिए ऐतिहासिक मुकदमे चल रहे हैं। वहाँ की बड़ी तकनीकी कंपनियों पर युवाओं को लत लगाने वाली संरचनाएँ विकसित करने के आरोप लगे हैं। विशेषज्ञों का मत है कि कई युवा जब अपने फोन से दूर किए जाते हैं तो वे मनोवैज्ञानिक ही नहीं, शारीरिक असहजता भी अनुभव करते हैं। यह स्थिति केवल विकसित देशों तक सीमित नहीं, भारत सहित विकासशील देशों में भी सोशल मीडिया का अनियंत्रित विस्तार सामाजिक और मानसिक संकट का कारण बन रहा है। एआई उद्योग स्वयं भी एक नैतिक दुविधा के दौर से गुजर रहा है। अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में कंपनियाँ तकनीकी श्रेष्ठता की दौड़ में लगी हैं। इस दौड़ में सुरक्षा और नैतिकता के प्रश्न अक्सर पीछे छूट जाते हैं। हाल ही में एक प्रमुख कंपनी के सुरक्षा शोधकर्ता द्वारा विवादास्पद परियोजनाओं की अनियंत्रित गति पर असहमति जताते हुए त्यागपत्र देना इस तनाव का संकेत है। तकनीक की प्रगति जितनी तेज होगी, नियामक ढाँचे उतनी ही तेजी से अप्रासंगिक होते जाएँगे, यदि उन्हें समयानुकूल अद्यतन न किया जाए। इसलिए नियमन को केवल दंडात्मक नहीं, बल्कि दूरदर्शी और सहभागी होना चाहिए। भारत के संदर्भ में यह विषय और भी संवेदनशील है। यहाँ डिजिटल क्रांति ने अभूतपूर्व विस्तार पाया है। करोड़ों नए उपयोगकर्ता प्रतिवर्ष ऑनलाइन आ रहे हैं। ऐसे में यदि असली और नकली के बीच का फर्क स्पष्ट न रहे तो लोकतांत्रिक विमर्श ही संदिग्ध हो जाएगा। चुनावी प्रक्रिया, सामाजिक सद्भाव, आर्थिक लेन-देन और व्यक्तिगत प्रतिष्ठा-सभी पर डीपफेक का खतरा मंडरा सकता है। इसलिए एआई जनित सामग्री पर लेबलिंग का प्रावधान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि सूचना साक्षरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। परंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि लेबलिंग तभी प्रभावी होगी जब आम उपयोगकर्ता डिजिटल साक्षर हो। अन्यथा वह लेबल को समझे बिना ही सामग्री साझा करता रहेगा। आगामी ई-समिट और भारत के ह्यइंडिया एआई मिशनह्व के संदर्भ में यह और भी प्रासंगिक हो जाता है कि तकनीक का विकास पारदर्शिता, शुद्धता और प्रमाणिकता के मूल्यों के साथ हो। यदि भारत वैश्विक एआई नेतृत्व का दावा करना चाहता है, तो उसे नैतिक मानकों की स्थापना में भी अग्रणी भूमिका निभानी होगी। केवल स्टार्टअप्स और नवाचार की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि एआई मानव गरिमा, गोपनीयता और लोकतांत्रिक संस्थाओं का सम्मान करे। नियमन का उद्देश्य तकनीकी प्रगति को रोकना नहीं, बल्कि उसे उत्तरदायी बनाना होना चाहिए। अंततः यह समझना होगा कि डीपफेक और एआई का संकट केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक भी है। कानून आवश्यक है, परंतु पर्याप्त नहीं। डिजिटल कंपनियों की जवाबदेही, सरकार की पारदर्शिता, न्यायपालिका की सतर्कता और नागरिकों की जागरूकता-इन सबका समन्वय ही इस चुनौती का स्थायी समाधान दे सकता है। यदि नियमन संतुलित और निष्पक्ष होगा तो वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने के बजाय उसे सुरक्षित करेगा, क्योंकि स्वतंत्रता तभी सार्थक है जब वह सत्य और जिम्मेदारी के साथ जुड़ी हो। झूठ को सच में बदलने की तकनीकी क्षमता जितनी बढ़ रही है, उतनी ही दृढ़ता से सत्य की रक्षा के लिए सामूहिक संकल्प भी आवश्यक है। यही डिजिटल युग की सबसे बड़ी नैतिक परीक्षा है, और यही लोकतांत्रिक समाज की अगली कसौटी भी।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

कब कटेगी सांसदों और विधायकों की कब?

(बोझ हमेशा बुजुर्गों और आम परिवारों पर ही क्यों? नेताओं पर कब?)

सरकार जब भी आर्थिक अनुशासन, बजट संतुलन या खर्च घटाने की बात करती है, तो सबसे पहले निशाने पर सामाजिक पेंशन योजनाएँ आ जाती हैं। विशेष रूप से बुढ़ापा पेंशन को लेकर बार-बार समीक्षा, कटौती और पात्रता की शर्तें सख्त करने की चर्चाएँ सामने आती रही हैं। हालिया बयानबाजी ने एक बार फिर यह मूल सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर आर्थिक सुधारों का भार हमेशा समाज के सबसे कमजोर वर्ग—बुजुर्गों, किसानों और मजदूर परिवारों—पर ही क्यों डाला जाता है? बुढ़ापा पेंशन कोई सरकारी कृपा या रियायत नहीं है। यह उस सामाजिक अनुबंध का हिस्सा है, जिसमें राज्य यह स्वीकार करता है कि जिन नागरिकों ने अपनी पूरी उम्र देश की अर्थव्यवस्था को चलाने में लगा दी, उन्हें बुढ़ापे में न्यूनतम सम्मान और सुरक्षा मिलनी चाहिए। खेतों में पसीना बहाने वाले किसान, ईंट-भट्टों और फैक्ट्रियों में काम करने वाले मजदूर, असंगठित क्षेत्र के कर्मचारी—इनमें से अधिकांश के पास न तो कोई पेंशन फंड होता है और न ही स्थायी बचत। ऐसे में बुढ़ापा पेंशन उनके लिए दवा, राशन और रोजमर्रा की जरूरतों का आधार बनती है।

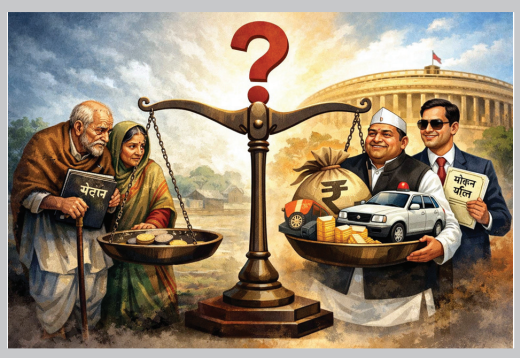

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

इसके बावजूद जब भी सरकारी खजाने पर दबाव की बात आती है, तो सबसे आसान रास्ता बुजुर्गों की पेंशन पर कैंची चलाना मान लिया जाता है। कभी फसल का बहाना, कभी जमीन का रकबा, कभी पारिवारिक आय और कभी बैंक खाते की तकनीकी खामियाँ—इन सब कारणों से हजारों पात्र बुजुर्ग पेंशन से वंचित कर दिए जाते हैं। यह प्रक्रिया प्रशासनिक कम और अमानवीय अधिक प्रतीत होती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि फसल, जमीन और आमदनी की ये सख्त कसौटियाँ केवल आम नागरिकों पर ही क्यों लागू होती हैं? क्या यही मानक विधायकों और सांसदों की पेंशन पर भी लागू होते हैं? क्या कभी यह जाँच की जाती है कि जनप्रतिनिधियों की वास्तविक आर्थिक स्थिति क्या है और उन्हें पेंशन की आवश्यकता है भी या नहीं? वास्तविकता यह है कि जनप्रतिनिधियों को मिलने वाली पेंशन और सुविधाएं उस वर्ग को प्राप्त होती हैं जो पहले से आर्थिक रूप से अपेक्षाकृत सुरक्षित है। कई विधायक और सांसद एक से अधिक बार निर्वाचित होने के बाद कई-कई पेंशन के हकदार बन जाते हैं। इसके अलावा उन्हें वेतन, भत्ते, सरकारी आवास, वाहन, सुरक्षा और अन्य विशेष सुविधाएँ भी मिलती हैं। इसके बावजूद इन पेंशनों पर न तो कोई स्पष्ट सीमा तय है और न ही इस पर गंभीर सार्वजनिक बहस होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक मूल्यों के भी खिलाफ है। लोकतंत्र का मूल सिद्धांत समानता है—नीति और कानून सबके लिए समान होने चाहिए। यदि आम नागरिक से उसकी मामूली आय का हिसाब माँगा जा सकता है, तो जनप्रतिनिधियों से क्यों नहीं? यदि बुजुर्ग किसान की दो बीघा जमीन के आधार पर उसकी पेंशन रोकी जा सकती है, तो करोड़ों की संपत्ति वाले नेताओं की पेंशन पर सवाल क्यों नहीं उठते? सरकार अक्सर यह तर्क देती है कि सामाजिक योजनाओं में अपात्र लोग शामिल हो जाते हैं, इसलिए सख्ती आवश्यक है। यह तर्क आंशिक रूप से सही हो सकता है, लेकिन इसका समाधान यह नहीं हो सकता कि जरूरतमंदों को ही व्यवस्था से बाहर कर दिया जाए। अपात्रता की आड़ में पात्र लोगों को दंडित करना किसी भी तरह से न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता। यदि सरकार वास्तव में पेंशन व्यवस्था को पारदर्शी और टिकाऊ बनाना चाहती है, तो उसे सबसे पहले उन क्षेत्रों पर ध्यान देना चाहिए जहाँ खर्च और सुविधाएं सबसे अधिक हैं। विधायकों और सांसदों की पेंशन पर स्पष्ट सीमा तय करना, बार-बार चुनाव जीतने पर अलग-अलग पेंशन देने की व्यवस्था समाप्त करना और एक समान पेंशन नीति लागू करना इस दिशा में एक ठोस कदम हो सकता है। यह भी समझना जरूरी है कि सामाजिक पेंशन पर किया गया खर्च कोई बोझ नहीं, बल्कि निवेश है। बुजुर्गों के हाथ में थोड़ी-सी आर्थिक सुरक्षा न केवल उन्हें सम्मानजनक जीवन देती है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति देती है। यह राशि सीधे बाजार में जाती है—दवा की दुकानों, किराना स्टोरों और स्थानीय सेवाओं में खर्च होती है। इसके विपरीत, पेंशन बंद होने का सामाजिक और आर्थिक प्रभाव कहीं अधिक नकारात्मक होता है। लोकतंत्र में नीतियों का उद्देश्य कमजोर को मजबूत बनाना होना चाहिए, न कि मजबूर को और कमजोर करना। जब बुजुर्गों से उनकी आखिरी आर्थिक सहायता भी छीन ली जाती है, तो यह केवल आर्थिक निर्णय नहीं रह जाता, बल्कि एक गंभीर नैतिक प्रश्न बन जाता है। क्या एक सभ्य समाज अपने बुजुर्गों को इस तरह असहाय छोड़ सकता है? अंततः सवाल केवल पेंशन का नहीं, बल्कि नीति की प्राथमिकताओं का है। क्या सरकार का ध्यान सबसे कमजोर नागरिकों पर है या सबसे सुविधासंपन्न वर्ग पर? जब तक इस सवाल का ईमानदार जवाब नहीं दिया जाएगा, तब तक पेंशन पर कटौती का मुद्दा एक आर्थिक बहस से अधिक, सामाजिक अन्याय का प्रतीक बना रहेगा।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

भगवान की नजर में हर इनसान बराबर है

इतिहास के पन्नों को उलट करके देखेंगे तो पाएंगे कि आज जितना ऊंच-नीच एवं अमीर-गरीब का भेद-भाव है वह वैदिक काल के आरंभ में नहीं था। उस समय सामाजिक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए कर्म के अनुसार वर्ग विभेद किया गया। लेकिन बाद में व्यवस्थाओं में जटिलता आती गयी और भेद-भाव बढ़ता गया। लेकिन यह भेद-भाव ऊपरी स्तर पर है। मूल में कहीं भेद-भाव नहीं है। मूल ईश्वर है और ऊपरी दुनिया वह है जहां हम मनुष्य और जीव-जन्तु विचरण करते हैं।

भगवान की नजर में सभी एक समान हैं। ईश्वर की दृष्टि में न तो जात-पात है और न लिंग भेद। श्री रामानंदाचार्य ने कहा है जात-पात पूछे न कोई। हरि को भजे सो हरि का होई।। भगवान कभी किसी के साथ किसी आधार पर भेद-भाव नहीं करते हैं। केवट ने भगवान से प्रेम किया तो भगवान बिना किसी भेद-भाव के केवट की नैया में बैठे और केवट की जीवन नैया को पार लगा दिया। श्री राम के चरण रज को पीकर केवट परम पद पाने में सफल हुआ। भगवान की दृष्टि में सभी बराबर हैं इसका उदाहरण भक्त सबरी के जीवन की एक घटना है। सबरी भील जाति की एक महिला थी। राम की भक्ति इनके मन में ऐसी बसी की राम में ही खुद को अर्पित कर दिया। एक बार सबरी मार्ग में झाड़ू लगा रही थी उस समय साधुओं का एक समूह मार्ग से गुजरा। अनजाने में सबरी का स्पर्श साधुओं से हो गया। साधु इससे नाराज हुए कि एक भीलनी उससे स्पर्श कर गयी। भगवान को यह बात अच्छी नहीं लगी। साधुओं को जात-पात के भेद-भाव की नासमझी को दूर करने के लिए भगवान ने एक लीला की। साधुगण जिस सरोवर में स्नान करते थे। उस सरोवर में जैसे ही साधुओं ने प्रवेश किया सरोवर का जल दूषित हो गया। सरोवर के जल से बदबू आने लगी। साधुओं ने सरोवर के जल को शुद्ध करने के लिए कई हवन और यज्ञ किया लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला। एक दिन सीता की खोज करते हुए भगवान राम जब सबरी की कुटिया में पधारे तब साधुओं को अपने ऊपर काफी ग्लानि हुई। उन्हें समझ में आ गया कि सबरी की भक्ति उनकी भक्ति भावना से बढ़कर है। सभी साधु सबरी की कुटिया में पधारे। भगवान राम के दर्शनों के पश्चात साधुओं ने राम से प्रार्थना की, कि सरोबर के जल को निर्मल करने का उपाय बताएं।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार में कोहराम: सेंसेक्स 1,048 , निफ्टी 336 अंक लुढ़का

मुंबई ■

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,048.16 अंक टूटकर 82,626.76 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 336.10 अंक फिसलकर 25,471.10 पर बंद हुआ।

बाजार में आज सबसे अधिक गिरावट धातु शेयरों में रही। आज निफ्टी मेटल और निफ्टी कमोडिटीज में सबसे अधिक गिरावट रही। निफ्टी रियल्टी , निफ्टी एनर्जी , निफ्टी एफएमसीजी , निफ्टी ऑयलएंडगैस , निफ्टी पीएसई) और निफ्टी कंजप्शन भी नीचे आये। वहीं सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील, टाइटन, टीसीएस, पावर ग्रिड, बीईएल, एशियन पेंट्स, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक, एनटीपीसी, इन्फोसिस, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक और आईसीआईसीआई के शेयर गिरे जबकि बजाज फाइनेंस और एसबीआई के शेयरों में तेजी रही। लार्जकैप के साथ-साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 1,032.85 अंक टूटकर 59,438 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 311.20 अंक फिसलकर 1.79 17,032.90 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 690 अंकों की गिरावट के साथ ही 82,985 के स्तर पर खुला। वहीं ???निफ्टी भी 25,589 पर खुला और इसमें लगभग 0.85 प्रतिशत की कमजोरी दर्ज की गई। वहीं एशियाई बाजारों में भी शुक्रवार को गिरावट रही। अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़ी अनिश्चितताओं और टेक शेयरों में बिकवाली से भी वैश्विक बाजारों पर पड़ा है। जापान का निक्केई 225 करीब 1.69 फीसदी गिरा, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.5 फीसदी नीचे रहा, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी एएसएक्स 200 लगभग 1.3 फीसदी कमजोर हुआ। अमेरिकी बाजारों में गुरुवार को जोरदार गिरावट दर्ज की गई।

गिरावट के बाद सोना चांदी में जोरदार वापसी

नई दिल्ली ■

भारी बिकवाली के बाद शुक्रवार को सराफा बाजार में दमदार रिकवरी देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सुबह कारोबार शुरू होते ही सोना और चांदी की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया। निवेशकों के रुख में अचानक आए बदलाव ने बाजार का माहौल पूरी तरह बदल दिया। सुबह 24 कैरेट सोना 1,733 रुपये की तेजी के साथ 1,54,569 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया था। गुरुवार को आई भारी गिरावट के बाद यह उछाल बाजार में टेक्निकल बाउंस बैक माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार निचले स्तर पर बड़ी खरीदारी ने दामों को सहारा दिया। मार्च वायदा चांदी 5,937 रुपये बढ़कर 2,42,372 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती दिखी।

उल्लेखनीय है कि पिछली रात चांदी में 25,000 रुपये से ज्यादा की ऐतिहासिक गिरावट आई थी, जिसके बाद शुक्रवार की तेजी ने निवेशकों को राहत दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि गिरावट के बाद वैल्यू बाइंग शुरू हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर सोने की कीमतों में सुधार का असर भी घरेलू बाजार पर दिखा। साथ ही अमेरिकी डॉलर में नरमी और बॉन्ड यील्ड में ठहराव ने कीमती धातुओं को समर्थन दिया।

टीवीएस अपाचे बनी नंबर.1 बाइक, सबसे ज्यादा है ग्रोथ

नई दिल्ली। दोपहिया बाजार में 150सीसी से 200सीसी मोटरसाइकिल सेगमेंट में जबरदस्त 72प्रतिशत से अधिक की ग्रोथ दर्ज की गई। इस सेगमेंट पर दबदबा जमाने का काम टीवीएस अपाचे ने किया। टीवीएस अपाचे ने सभी कंपनियों को पीछे छोड़ते हुए 117प्रतिशत की सालाना ग्रोथ हासिल की। इतनी तेजी से बढ़ती बिक्री के चलते टॉप-16 मॉडलों में अकेले अपाचे ने 28.73प्रतिशत मार्केट शेयर पर कब्जा जमाया। दिसंबर 2025 में टीवीएस अपाचे की 45,507 यूनिट बिकीं, जो दिसंबर 2024 में दर्ज 20,885 यूनिट्स की तुलना में 24,622 यूनिट ज्यादा हैं। बजाज पल्सर ने भी मजबूत प्रदर्शन किया और दिसंबर 2025 में इसकी 35,620 यूनिट्स बिकीं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 70.66प्रतिशत अधिक

नई रेनो डस्टर जल्द होगी भारत में लॉन्च, तैयारी तेज

नई दिल्ली ■

भारत में रेनो अपनी नई डस्टर को जल्द लांच करने जा रही है। कंपनी ने इसकी तैयारी तेज कर दी है। इसी बीच नई डस्टर को पहली बार बिना किसी कैमोफ्लाज के सड़क पर दौड़ते हुए देखा गया है। यूट्यूब चैनल पर शेयर हुए वीडियो में यह एसयूवी अपने खाकी ग्रीन कलर में नजर आई, जिससे इसके दमदार रोड प्रेजेंस का साफ अंदाजा लगता है।

वीडियो में डस्टर का रियर लुक, कनेक्टेड एलईडी टेललाइट्स, आकर्षक बंपर, साइड प्रोफाइल और 18 इंच के अलॉय वील्स भी स्पष्ट दिखाई देते हैं, जो इसके डिजाइन को और अधिक प्रीमियम बनाते हैं। इंटीरियर की बात करें तो नई डस्टर को कई हाईटेक फीचर्स के साथ अपडेट किया गया है। इसमें 10 इंच की इंफोटेनमेंट स्क्रीन दी गई है, जो गूगल ओएस पर चलती है और पहले से मौजूद ऐप्स की वजह से एंड्रॉयड ऑटो की जरूरत को खत्म कर देती है। इसके साथ 10.25 इंच का टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वायरलेस चार्जिंग पैड, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, पैनोरमिक सनरूफ, इलेक्ट्रिक टेलगेट और अडास जैसे कई प्रीमियम फीचर्स भी शामिल हैं, जिससे इसका केबिन और भी मॉडर्न और कंफर्टेबल हो जाता है। नई रेनो डस्टर तीन दमदार इंजन ऑप्शन के साथ पेश की जाएगी।

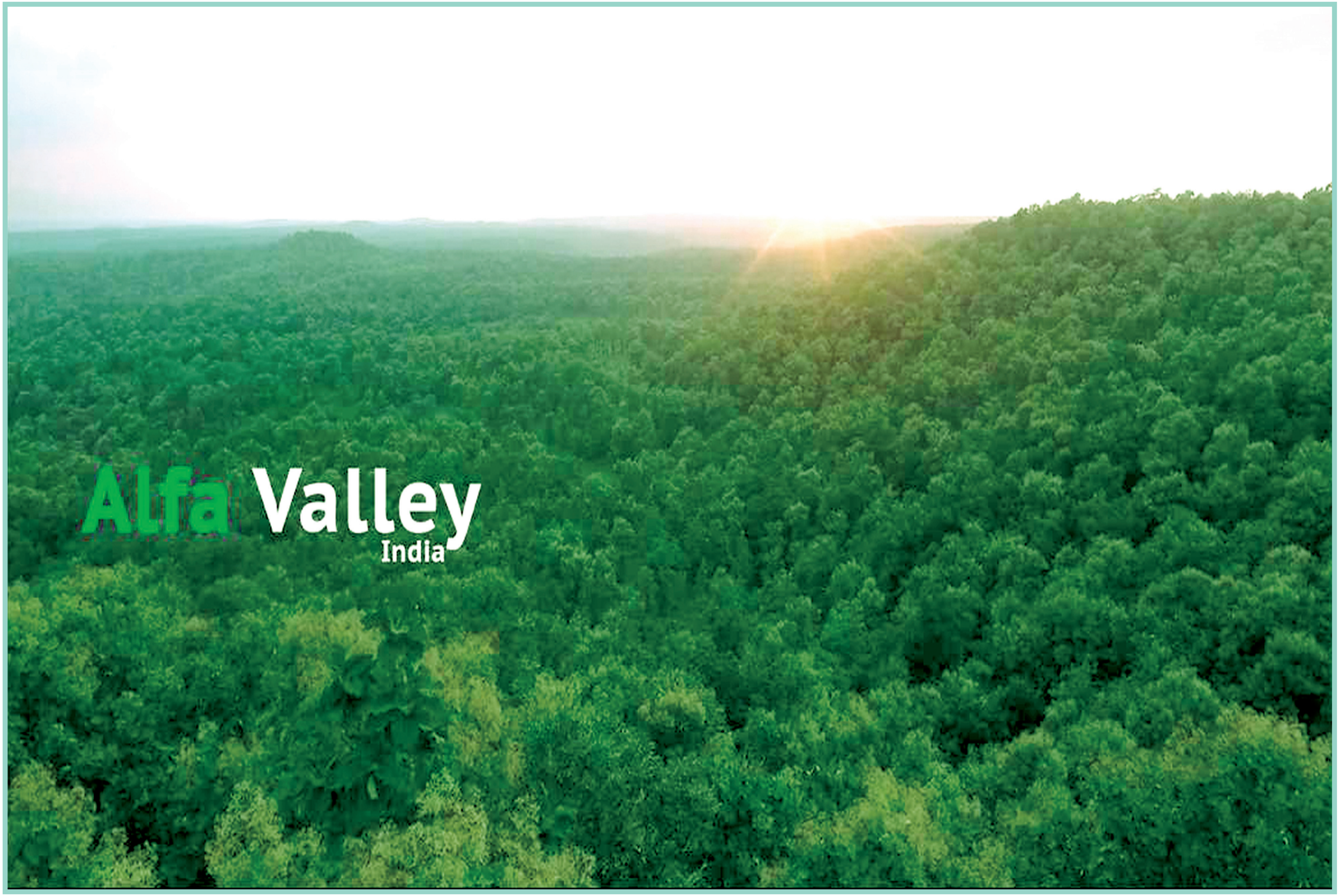

Alfa Valley
India

मनोरंजन

महिला खुद तय करे रिश्ते की दिशा: शाल्मली खोलगडे

बॉलीवुड और म्यूजिक इंडस्ट्री में बदलते दौर की मजबूत झलक प्लेबैक सिंगर शाल्मली खोलगड़े के नए गाने इम्प्रेशन में देखने को मिलती है। अपने इस नए गाने के जरिए शाल्मली ने एक म्यूजिकल एक्सपेरिमेंट किया है, जिसमें महिला खुद अपने रिश्ते की दिशा तय करती है। परेशान, बलम पिचकारी और लत लग गई जैसे यादगार गानों से पहचान बनाने वाली शाल्मली खोलगड़े ने अपने नए ट्रैक इम्प्रेशन को लेकर कहा, मैं अपनी सोच और अभिव्यक्ति के साथ आगे बढ़ती हूं। यह गाना आज के दौर के रिश्तों को दर्शाता है, जहां आकर्षण दिखावे या बड़े-बड़े वादों से नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संतुलन और अपने आप में सहज होने से पैदा होता है। इसी सोच को गाना आगे बढ़ाने का काम करता है। म्यूजिक वीडियो में शाल्मली खुद डांस करती नजर आती हैं। शाल्मली ने गाने को लेकर कहा, इम्प्रेशन मेरे लिए बेहद खास है, क्योंकि इसमें मुझे संगीत और डांस दोनों के जरिए खुद को अभिव्यक्त करने का मौका मिला है। एक कलाकार के तौर पर यह मेरे लिए बहुत संतोषजनक अनुभव रहा। पुराने समय के गीतों में महिलाओं के लिए भावनात्मक भूमिकाएं पहले से तय रही हैं, जहां इंतजार, तड़प और त्याग को ही प्रेम का पर्याय मान लिया गया था, लेकिन आज की सच्चाई इससे कहीं ज्यादा व्यापक है।

मेरे पिता असली नाग थे, तो क्या मैं भी नागिन हूं?: एकता कपूर

मशहूर टीवी और फिल्म प्रोड्यूसर एकता कपूर ने अपने पिता जितेंद्र के बारे में मजेदार पोस्ट लिखा है। सोशल मीडिया पर जितेंद्र की फिल्म नागिन का वीडियो शेयर कर एकता ने खुलासा किया कि अगर उनके पिता नाग हैं तो क्या एकता प्रोड्यूसर हैं। दरअसल, एकता ने जितेंद्र की फिल्म नागिन का गाना तेरे संग प्यार में का वीडियो शेयर किया। इसमें जितेंद्र अभिनेत्री रीना रॉय के साथ डांस कर रहे हैं। एकता ने पोस्ट कर लिखा, मेरे पिता असली नाग (इच्छाधारी) थे, तो क्या इसका मतलब है कि मैं भी नागिन हूं? 1976 की फिल्म नागिन में जितेंद्र ने एक अहम भूमिका निभाई थी, जो इच्छाधारी नाग-नागिन की कहानी पर आधारित थी। सॉन्ग तेरे संग प्यार में की बात करें तो इसे लता मंगेशकर और महेंद्र कपूर ने अपने सुरों से सजाया है और वर्मा मलिक ने इसके लिरिक्स लिखे हैं, जबकि लक्ष्मीकांत प्यारेलाल ने इसका संगीत तैयार किया है। साल 1976 में रिलीज हुई लोकप्रिय फिल्म नागिन में जितेंद्र ने मुख्य भूमिका निभाई थी, और रीना रॉय इच्छाधारी नागिन बनी थीं। राज कुमार कोहली द्वारा निर्देशित यह फिल्म अपने समय की सबसे बड़ी मल्टी-स्टारर फिल्मों में से एक थी, जिसमें सुनील दत्त, रेखा, मुमताज, फिरोज खान और संजय खान जैसे कलाकार भी शामिल थे। फिल्म की कहानी एक इच्छाधारी नागिन की थी, जो अपने प्रेमी की हत्या का बदला लेने के लिए शिकारियों के समूह को एक-एक करके मारती है।

संघर्ष के दिन याद किए सुभाष घई ने, साझा की यादें

बॉलीवुड की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कालिचरण' ने अपनी रिलीज के 50 साल पूरे कर लिए। बॉलीवुड के दिग्गज निर्देशक सुभाष घई ने इस खास मौके पर इंस्टाग्राम पर फिल्म की दुर्लभ तस्वीरें साझा कर पुराने दिनों को याद किया। सुभाष घई के लिए उनकी पहली निर्देशित फिल्म 'कालिचरण' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ रही है। तस्वीरों में शत्रुघ्न सिन्हा, रीना रॉय और फिल्म की पूरी टीम नजर आ रही है, जिसने एक युग के निर्माण में अहम भूमिका निभाई थी। सुभाष घई ने भावुक होते हुए लिखा कि आज से ठीक 50 साल पहले उनकी जिंदगी में बड़ा बदलाव आया था। मेरी पहली निर्देशकीय फिल्म 'कालिचरण' रिलीज हुई थी। उस दिन मैं बहुत घबराया हुआ था, क्योंकि उससे पहले मैंने अभिनय और दूसरों के लिए पटकथा लिखने में पूरे 10 साल संघर्ष किया था। निर्देशक ने कहा कि फिल्म की सफलता ने उनका करियर नया मोड़ दिया और उन्हें पहचान दिलाई, जिसके बाद उनका फिल्मी सफर लगातार आगे बढ़ता गया। उन्होंने 'कालिचरण' की पूरी टीम के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। सुभाष ने लिखा कि वह आज भी निर्माता, कलाकार, सह-लेखक और तकनीकी टीम के आभारी हैं, जिन्होंने उस समय उन पर भरोसा किया जब उन्हें निर्देशन का कोई अनुभव नहीं था। उन्होंने कहा कि उन सभी की मेहनत और विश्वास ने ही 'कालिचरण' को यादगार फिल्म बनाया और उन्हें एक सफल निर्देशक बनने का मौका दिया। 1976 में रिलीज हुई इस एक्शन-थ्रिलर फिल्म ने न केवल सुभाष घई को निर्देशक के रूप में स्थापित किया, बल्कि शत्रुघ्न सिन्हा के करियर में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फिल्म में शत्रुघ्न सिन्हा, रीना रॉय, अजीत और डैनी डेन्जोंगपा अहम किरदारों में नजर आए थे।

टी-20 वर्ल्ड कप में उलटफेर, जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को हराया, ऑस्ट्रेलिया 170 का टारगेट नहीं चेज कर सका

नई दिल्ली ■ एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप में पहला उलटफेर देखने को मिला है। जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रन के अंतर से हराया। टीम ने दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया को टी-20 वर्ल्ड कप में हराया है। उसने 19 साल पहले 2007 में भी ऑस्ट्रेलियन को लीग राउंड में हराया था। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 169 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया 19.3 ओवर के बाद 146 रन पर ऑलआउट हो गई। ब्लेसिंग मुजरबानी ने 4 विकेट झटके। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

टारगेट चेज कर रहे मैट रेनशॉ (65 रन) ने फिफ्टी लगाई। ग्लेन मैक्सवेल ने 31 रन बनाए। मार्कस स्टोयनिस (6) ट्रैविस हेड (17) और जोश इंग्लिस (8) खास प्रदर्शन नहीं कर सके। टिम डेविड और कैमरन ग्रीन का खाता भी नहीं खुला। जिम्बाब्वे के लिए मुजरबानी के अलावा, इवांस को 3 विकेट मिले। जिम्बाब्वे से ब्रायन बेनेट ने 56 बॉल पर नाबाद 64 रन बनाए। यह उनका टी-20 वर्ल्ड कप में पहला और टी-20 इंटरनेशनल में ओवरऑल 11वां अर्धशतक है। तादिवानाशे मारुमनी और रयान बर्ल ने 35-35 रन की पारी खेली। कप्तान सिकंदर रजा ने 13 बॉल पर नाबाद 25 रन बनाए। ऑस्टेलिया के लिए मार्कस स्टोयनिस और कैमरन ग्रीन को 1-1 विकेट मिला।

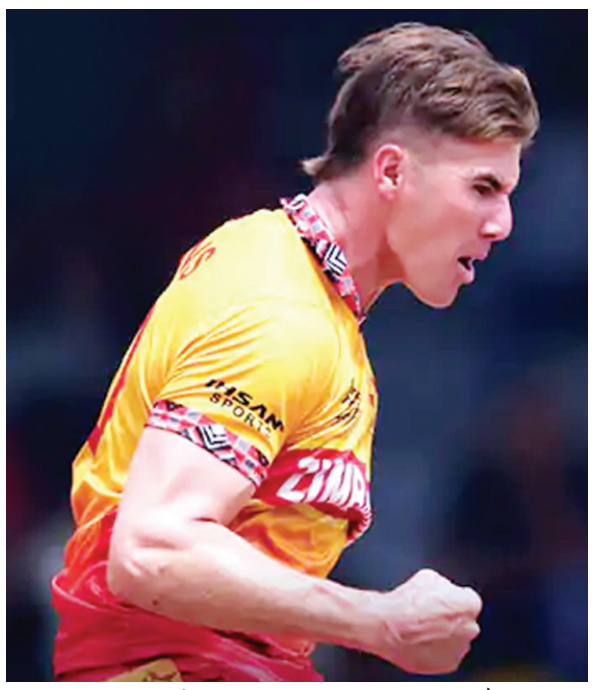

यह वही मैदान, जहां भारत-पाक मैच होगा

कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में इस टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर हुआ। यह वही मैदान है, जहां पर 15 फरवरी को भारत और पाकिस्तान मैच खेला जाएगा। इस मैदान पर ऑस्ट्रेलिया की टीम 170 रन का टारगेट चेज नहीं कर सकी है। ऐसे में यहां भारत-पाकिस्तान के बीच रोमांचक मैच की उम्मीद है।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

ऑस्ट्रेलिया: ट्रैविस हेड (कप्तान), जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, मैट रेनशॉ, ग्लेन मैक्सवेल, टिम डेविड, मार्कस स्टोयनिस, नाथन एलिस, बेन ड्वार्शुइस, मैथ्यू कुह्नेमन, एडम जम्पा।

जिम्बाब्वे: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, तादिवानाशे मारुमनी, डायोन मायर्स, रयान बर्ल, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्रैडली इवांस, वेलिंगटन मसाकाद्जा, ब्लेसिंग मुजरबानी, टोनी मुनयोंगा, ग्रीम क्रेमर।

भारत ने 50 मीटर थ्री पोजीशन में किया क्लीन स्वीप, ऐश्वर्य प्रताप सिंह का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने गुरुवार को एशियाई चैंपियनशिप की 50 मीटर थ्री पोजीशन स्पर्धा में टीम के साथी नीरज कुमार को पछाड़ते हुए विश्व रिकॉर्ड से स्वर्ण पदक जीता और भारत ने स्पर्धा में क्लीन स्वीप किया। ओलंपियन ऐश्वर्य ने नए साल में भी शानदार लय जारी रखी। 25 वर्षीय निशानेबाज ने 362 के विश्व रिकॉर्ड से नीरज को महज 0.2 अंक से पीछे छोड़ा। ऐश्वर्य 10.7 के अंतिम शॉट से जीत हासिल की।

नीरज ने 361.8 अंक से रजत जबकि अखिल श्योराण ने 343.5 अंक से कांस्य पदक जीता। क्वालीफिकेशन में नीरज 593 के स्कोर से शीर्ष पर रहकर फाइनल में पहंचे जबकि ऐश्वर्य 588 अंक से दूसरे और श्योराण इतने ही अंक से तीसरे स्थान पर रहे। नीरज, ऐश्वर्य और श्योराण की तिकड़ी ने 1769 अंक से टीम स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद जापान 1754 अंक से दूसरे और कजाखस्तान 1748 अंक से तीसरे स्थान पर रहा। जूनियर पुरुष फाइनल में एड्रियन कर्माकर ने 353.2 अंक से चैंपियनशिप का दूसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। कजाखस्तान के दिमित्री किम उनसे 4.7 अंक पीछे दूसरे स्थान रहे। भारत के मानवेंद्र सिंह शेखावत ने 338.6 अंक से कांस्य पदक जीता।

इसी माह डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में खेलेंगे वैभव

नई दिल्ली। हाल में अंडर-19 विश्वकप क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित करने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब इसी माह 23 फरवरी मुंबई में होने वाले डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में खेल सकते हैं। नवी मुंबई में होने वाले इस क्रिकेट टूर्नामेंट में करीब16 टीमें हिस्सा लेती हैं, और इसी में से किसी एक टीम से वैभव उतर सकते हैं। इससे उन्हें इसके बाद खेले जाने वाले आईपीएल के लिए भी अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। इस टूर्नामेंट में कई बड़े खिलाड़ी भी शामिल होते हैं। वैभव अभी नागपुर के पास तालेगांव में हैं, जहां राजस्थान रॉयल्स ने अभ्यास सत्र के लिए तैयारी की है। यहीं पर वैभव आईपीएल सत्र की तैयारी में लगे हैं। ये शिविर 21 फरवरी तक चलेगा जिसके बाद वैभव पटना वापस जाएंगे। वह अपने शहर में एक प्रमोशनल इवेंट में भी शामिल होंगे। यहां उन्हें एक गाड़ी उपहार में दिये जाने की उम्मीद है। इसके बाद डीवाई पाटिल टूर्नामेंट के लिए मुंबई पहुंचेंगे।

मध्य प्रदेश के पैरा तैराक सतेंद्र ने कुक स्ट्रेट पार कर इतिहास रचा, सीएम मोहन यादव ने दी बधाई

नई दिल्ली ■ एजेंसी

मध्य प्रदेश के इंटरनेशनल पैरा स्विमर सतेंद्र सिंह लोहिया ने दुनिया के सबसे मुश्किल ओपन-वॉटर समुद्री चैनलों में से एक, न्यूजीलैंड के कुक स्ट्रेट को सफलतापूर्वक पार करके इतिहास रच दिया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गुरुवार को उन्हें इस कामयाबी पर बधाई देते हुए कहा कि इस कामयाबी के साथ, पद्म श्री अवॉर्डी (2024) लोहिया कुक स्ट्रेट को पार करने वाले एशिया के पहले पैरा स्विमर बन गए हैं।

अपनी खुशी जाहिर करते हुए, मुख्यमंत्री ने इस कामयाबी को देश और मध्य प्रदेश दोनों के लिए गर्व का पल बताया। यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, पद्म श्री और तेनजिंग नोर्गे नेशनल एडवेंचर अवॉर्डी, मध्य प्रदेश के इंटरनेशनल पैरा स्विमर सतेंद्र सिंह लोहिया ने दुनिया के सबसे मुश्किल समुद्री चैनलों में से एक, न्यूजीलैंड के कुक स्ट्रेट को कामयाबी से पार करके इतिहास रच दिया है। उन्होंने आगे कहा, मैं इस अनोखी कामयाबी के लिए उन्हें दिल से बधाई देता हूं। देश और मध्य प्रदेश के लिए यह गर्व का पल उनके जबरदस्त जज्बे और पक्के इरादे को दिखाता है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा। 38 साल के पैरा स्विमर, जिनके दोनों पैरों में चलने-फिरने की क्षमता कम है, ने अपने करियर में कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। उनमें से एक है मुंबई में 33 किलोमीटर का स्विम सर्किट 5 घंटे 42 मिनट में पूरा करना। मध्य प्रदेश के ग्वालियर-चंबल डिवीजन के भिंड जिले के गाटा गांव के रहने वाले लोहिया ने इससे पहले 2018 में एक टीम के साथ 36 किलोमीटर का इंग्लिश चैनल पार करके इतिहास रचा था।

मजेदार पोस्ट के जरिए ट्विंकल खन्ना ने जीता फैंस का दिल

बॉलीवुड अभिनेत्री एवं लेखिका ट्विंकल खन्ना ने इंस्टाग्राम पर हल्की-फुल्की और मजेदार पोस्ट के जरिए फिर से फैंस का दिल जीत लिया। एक्ट्रेस ने अपनी कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वे आइसक्रीम का मजा लेती दिखाई दे रही हैं। ट्विंकल ने इस पोस्ट के साथ मिठाई प्रेमियों के लिए मजाकिया अंदाज में तीन 'जरूरी नियम' भी लिखे।

उन्होंने लिखा, खाने के शौक के तीन नियमः पहला, मिठाई हमेशा जीतती है। दूसरा, बांटने का नाटक करना जरूरी है, भले ही मन में जरा भी इरादा न हो। तीसरा, बातचीत का सही तरीका है नकली मुक्का दिखाना। ट्विंकल ने आगे मजाक में कहा कि अगर इन नियमों का पालन करेंगे, तो मजेदार तस्वीरें भी मिलेंगी और मिठाई भी पूरी आपकी ही रहेगी। उन्होंने पोस्ट के अंत में फैंस को मजेदार चुनौती देते हुए पूछा, अब बताइए, आपकी टेबल पर इस जंग में सबसे पहले कौन हारेगा?

सुमित नागल चेन्नई ओपन से बाहर

नई दिल्ली। पूर्व चैंपियन सुमित नागल गुरुवार को चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर के दूसरे दौर में रूस के पेट्र बार बिरयुकोव से हारकर बाहर हो गए। भारत के नंबर एक खिलाड़ी नागल को विश्व रैंकिंग में 305 नंबर पर काबिज बिरयुकोव से दो घंटे छह मिनट तक चले मुकाबले में 6-4 6-7 3-6 हार मिली। दिन के सबसे लंबा मैच चौथे वरीय इलिया सिमाकिन और ऑस्ट्रेलिया के फिलिप सेकुलिच के बीच हुआ जो करीब तीन घंटे तक चला। इसमें सिमाकिन ने सेकुलिच को 4-6, 7-5, 7-6 (1) से हराया। अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए सिमाकिन का सामना बिरयुकोव से होगा। इससे पहले भारतीय क्वालीफायर सिद्धार्थ रावत (715 रैंकिंग) ने मार्क्स कासनिकोवस्की (419) को 6-2, 6-3 से हराया।

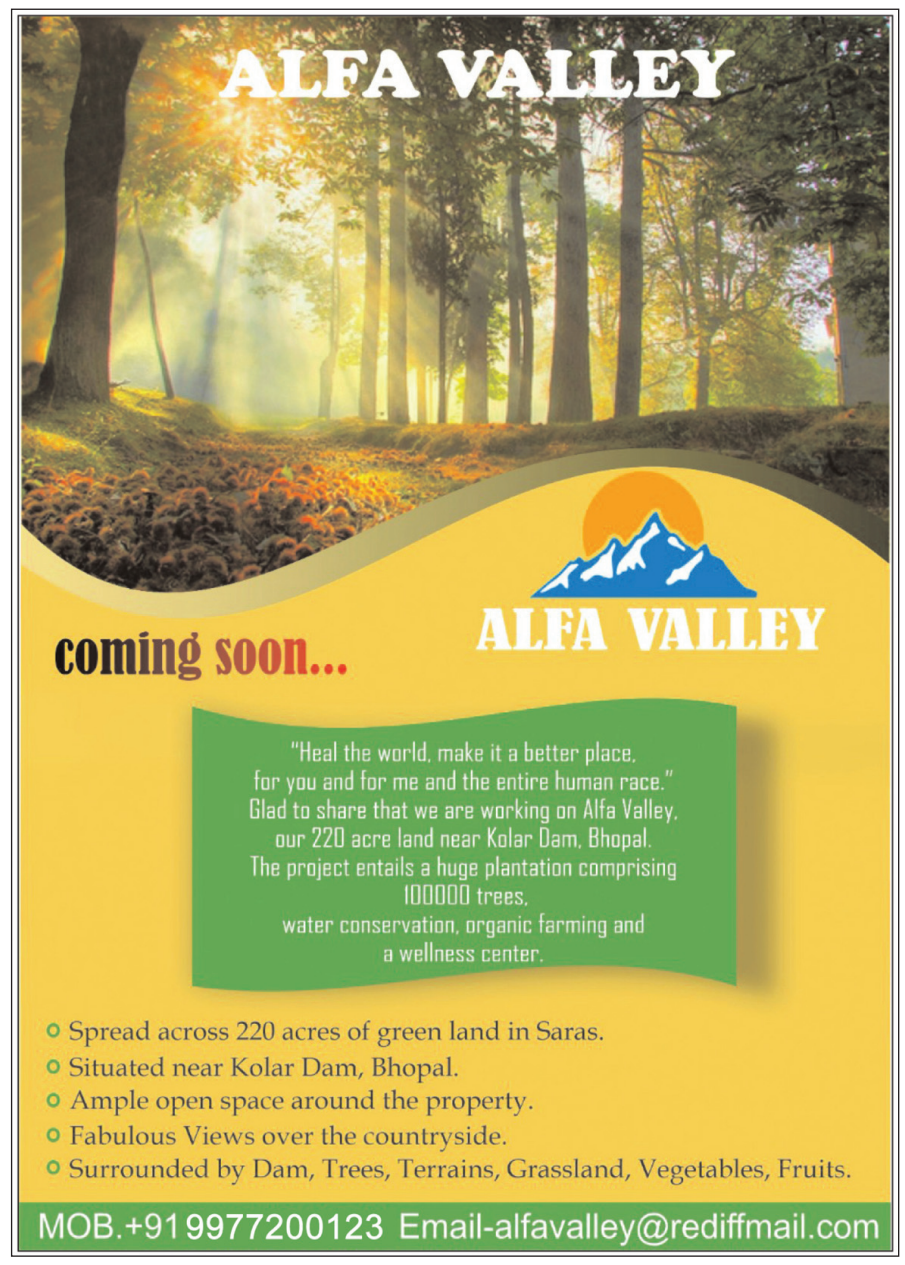

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news

प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **डॉ.शिशिर उपाध्याय**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com